जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

बीकानेर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 2200660 फैक्स : 0151-2527371 वर्षः 43 संख्याः203 प्रभात बीकानेर, गुरुवार 17 फरवरी, 2022 डाक प.स.बीकानेर/045/2020-22 पृष्ठ 8 मूल्य 1.20 रू.

ऑस्ट्रेलिया की सरकार ने अधिकृत रुप से कोआला को संकटग्रस्त प्रजाति घोषित कर दिया है। जंगलों की कटाई और जंगलों में आग लगने की वजह से इनकी आबादी निरंतर घट रही है। राष्ट्रीय कानून के तहत ''संकटग्रस्त'' का दर्जा मिलने से यह स्पष्ट हो गया है कि कोआला के संरक्षण के लिए तुरंत ध्यान देने की जरुरत है। सन् 2012 में कोआला को ''वल्नरेबल'' वर्ग में रखा गया था लेकिन उसके बाद से इसकी स्थिति निरंतर बिगड़ती गई, इससे स्पष्ट है कि ऑस्ट्रेलिया की सरकारें इसके संरक्षण के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठा पाईं। थ्रैटन्ड स्पीशीज़ कमेटी ने ऑस्ट्रेलिया की सरकार से सिफारिश की थी कि क्वीन्सलैण्ड, न्यूसाउथवेल्स और ऑस्ट्रेलियन कैपिटल टैरिटरी के कोआला समूहों के ''कंज़र्वेशन स्टेटस'' को अपग्रेड किया जाए। नैशनल लॉ में सूचीकरण का स्टेटस इस बात को स्वीकार करता है कि कोआला की स्थिति पर ध्यान देना और अधिक ''अर्जेन्ट'' हो गया है। ऑस्ट्रेलिया की पर्यावरण मंत्री सूसन ली ने कहा कि, सरकार ने कोआला को एन्डेन्जर्ड जीवों की लिस्ट में शामिल करने के अलावा, लम्बे समय से लम्बित पड़ा नैशनल रिकवरी प्लान भी अपनाया है। पर्यावरण समूह लम्बे समय से मांग कर रहे थे कि कोआला का संरक्षण स्टेटस अपग्रेड किया जाए। ह्यूमन सोसायटी इन्टरनैशन, डब्ल्यु.डब्ल्यु.एफ. ऑस्ट्रेलिया तथा इन्टरनैशनल फंड फॉर एनिमल वैलफेयर ने इसे एन्डेन्जर्ड जानवरों की सूची में डालने की मांग की थी। ''एन्डेन्जर्ड'' दर्जा मिलने से अब कोआला को अतिरिक्त सुरक्षा मिलेगी और एक बार जब रिकवरी प्लान अपना लिया जाएगा तो सरकार के मंत्री ऐसे निर्णय नहीं ले पाएंगे जिनसे कोआला को खतरा हो। इसके लिए वो अब कानूनन बाध्य होंगे। सन् 2020 में एक संसदीय जांच में पाया गया था कि, अगर सरकार ने कोआला के प्राकृतिक आवास की सुरक्षा के लिए कोई एक्शन प्लान नहीं बनाया तो 2050 तक ये लुप्त हो सकते हैं, अगर तुरंत कदम उठाए गए तो इन्हें बचाया जा सकता है।

भाजपा, पहले दो चरणों के दुष्परिणाम की भरपायी करना चाहती है, तीसरे राउण्ड में

पर, पिछले विधानसभा चुनाव की सफलता दोहराना आसान नहीं भाजपा के लिये, आगामी तीसरे राउण्ड के मतदान में

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 फरवरी। उत्तर प्रदेश के 16 जिलों की 59 सीटों के लिये होने वाले मतदान के तृतीय चरण से चार दिन पहले, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इटावा में एक जनसभा को संबोधित करते हुये, एक बार फिर पूर्ववर्ती सपा सरकार के ''गुंडा राज'' पर जमकर हमला बोला। इसके साथ ही हाल ही के दिनों में एक सोशल मीडिया अभियान भी छेड़ा गया है, जिसमें विपक्षी दलों की ''जातिवादी राजनीति'' के कारण, ''हिन्दू धर्म के लिये खतरे'' पैदा होने की आशंकाओं पर विशेष जोर दिया गया है।

जहाँ आम धारणा यह है कि भाजपा ने जाट-बहुल प्रथम चरण में तथा मुस्लिम बहुल दूसरे चरण में अच्छा प्रदर्शन नहीं किया है, वहीं तीसरा चरण सत्तारूढ़ दल को उन नुकसानों की भरपाई करने का अवसर प्रदान करेगा। वर्ष 2017 के चुनावों में, भाजपा ने गैर-यादव ओ.बी.सी. को अपने पक्ष में लामबंद करके, इस क्षेत्र 59 में से 49 सीटें जीती थीं। लेकिन कुछ ऐसे कारण हैं, जिनके चलते उसी रणनीति के पूर्व की तरह सफल होने की संभावना इस बार नहीं है। एक कारण तो यह है कि गैर-यादव ओ.बी.सी. जैसे शाक्य, सैनी, पाल या कुशवाहा 2017 की तरह, भाजपा का समर्थन नहीं कर रहे हैं। यह वही क्षेत्र है, जहाँ महान दल के केशव प्रसाद मौर्य, जो सपा के गठबंधन-पार्टनर हैं, का काफी अच्छा प्रभाव है। योगी आदित्यनाथ सरकार में मंत्री रहे स्वामी प्रसाद मौर्य सपा में आ ही चुके हैं। राजा रामपाल, जो एक महत्वपूर्ण कुर्मी नेता हैं, भी इस बार सपा का समर्थन कर रहे हैं। संक्षेप में, भाजपा के उस सोशल इंजीनियरिंग फॉर्मूले, जिसे पार्टी ने 2017 के विधानसभा चुनावों के अलावा, 2014 तथा 2019 के लोक सभा चुनावों में सफलतापूर्वक काम में लिया था, के निष्फल रहने का खतरा मँडरा रहा है।

इस तथ्य के बावजूद कि इस क्षेत्र की 32 विधानसभा सीटों पर, यादव दमदार स्थिति में हैं, सपा 2017 के चुनाव में यहाँ बिल्कुल साफ हो गई थी क्योंकि यादव के कई वर्ग या तो उदासीन

(शेष पृष्ठ 7 पर)

- पिछले चुनाव में इस क्षेत्र की 59 सीटों में से 49 सीटें भाजपा जीती थी। इसका प्रमुख कारण था, भाजपा ने सोशल इंजीनियरिंग के फॉर्मूले के अंतर्गत गैर यादव ओ.बी.सी. को अपने पक्ष में संगठित कर लिया था।
- पर, इस बार गैर यादव ओ.बी.सी. भाजपा के पक्ष में नज़र नहीं आते। इस बार शाक्य, मौर्य, सैनी, पाल व कुशवाहा, भाजपा से विमुख हैं।
- पिछले चुनाव में यादव वोट भी विभाजित था, कुछ तो निष्क्रिय होकर घर बैठे रहे और कुछ भाजपा के पक्ष में आये थे। और अखिलेश भी परिवार की कलह में फंसा हुए थे, पर, अब पारिवारिक विवादों से निपट कर अखिलेख यादवों को एक छत्र नेता के रूप में स्वीकार हो गए हैं, तथा यादव भी सत्ता से बाहर रहने के बाद, अखिलेश के पक्ष में पूरी तरह एकजुट हुए हैं।
- तीसरे चरण में भी भाजपा सपा के ''गुण्डाराज'' व ''हिन्दू धर्म'' संकट का नारा दे रही है।

आधार कार्ड कोई कवच नहीं, सरकारी योजनाओं का पैसा लीक नहीं होने के लिये

पी.एम. किसान सम्मान निधि के छोटे व मार्जिनल किसानों को दी जाने वाली चौथाई राशि गलत जगह पहुंच गई है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 फरवरी। मोदी सरकार का दावा है कि इसके कार्यक्रमों में फंड का कोई लीकेज नहीं हो रहा है क्योंकि कार्यक्रम आधार से ''लिंक्ड'' हैं, लेकिन इसके विपरीत सरकार ने दिसम्बर 2016 में शुरु हुई आधार पर आधारित प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना में अब तक 58.08 लाख अपात्र किसानों को 2,589 करोड़ रू. से ज्यादा का भुगतान किया है। इस योजना में छोटे व सीमान्त किसानों को प्रतिवर्ष 2,000 रू. तीन किश्तों में 6,000 रू. का भुगतान किया जाता है।

सूचना के अधिकार के तहत पूछे गए एक सवाल के जवाब से पता चला है कि हालांकि यह राशि सीधे किसान के बैंक खाते में जाती है पर 24 प्रतिशत (13.73 लाख) लाभार्थी आयकर दाता है। यह जानकारी तब सामने आई है जब मौजूदा वित्त वर्ष की अंतिम किश्त शीघ्र ही जारी होने वाली है। सरकार ने पहले ही जांच के आदेश दे दिए हैं कि पैसा गलत हाथों में कैसे जा रहा है। यह जवाब इस माह के आरम्भ में केंद्र सरकार के कृषि और परिवार कल्याण विभाग से मिला है।

पी.एम. किसान वैबसाइट में साफ लिखा है कि ऐसे किसान परिवार जिनके परिवार में एक भी आयकर दाता है वे इस योजना के तहत लाभार्थी बनने के पात्र नहीं हैं।

फरवरी 2022 में उत्तर प्रदेश में सबसे 14.9 लाख अपात्र किसानों की जानकारी मिली जिनसे 98 करोड़ रू. वसूले जाने हैं। दूसरे स्थान पर आश्चर्यजनक रूप से असम है जहां 13.35 लाख अपात्र किसान हैं जिनसे 768.3 करोड़ रू. वसूले जाने हैं। दोनों राज्यों में भाजपा की सरकार है।

आर.टी.आई. कार्यकर्ता अविनंदन जना, जिन्होंने पी.एम. किसान निधि योजना के आकंडे जुटाए थे, का कहना है कि सरकार को आयकर दाताओं से 1,067 करोड़ रू. वसूलने है, इनमें से अधिकांश की आय का जरिया व्यापार है वे किसान नहीं हैं। उनका दावा है कि लिस्ट में फर्जी लाभार्थियों के नाम जिला प्रशासन की जानकारी से जोड़े गए थे। योजना के

(शेष पृष्ठ 7 पर)

- सूचना के अधिकार के तहत प्राप्त जानकारी के अनुसार, 2589 करोड़ रू. की यह सहायता राशि, उन लोगों के हाथ में पहुंची, जिन्हें यह सहायता लेने का कोई अधिकार ही नहीं था।
- स्कीम के अनुसार हरेक निर्धन व कमजोर किसान को 6000 रू. की राशि प्रतिवर्ष दे रही है सरकार।
- शर्त है कि, यह राशि केवल उन किसानों को मिलेगी, जो इन्कम टैक्स नहीं देते हैं तथा आधार कार्ड से सरकार यह जानकारी आसानी से प्राप्त कर लेती है कि, कौन इन्कम टैक्स देता है और कौन नहीं।
- आधार कार्ड वैरिफिकेशन के बावजूद इस सहायता राशि का इतना बड़ा अंश उन लोगों को कैसे मिला, जो यह सहायता पाने के हकदार ही नहीं थे।

शादी निरस्त

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 फरवरी। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को एक विवाह को खारिज कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने यह फैसला इस आधार पर दिया कि वह महिला 12 साल से अपने पति और ससुराल वालों के साथ नहीं रह रही थी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगर वह महिला वैवाहिक रिश्ते को बहाल नहीं करना चाहती है तो वह उस पर दबाव डालना नहीं चाहता है।

जस्टिस अजय रस्तोगी और अभय एस. ओका की बैंच ने कहा कि महिला ने अपने वैवाहिक रिश्ते को दोबारा शुरु करने की कोशिश नहीं की ना ही उसने अपने वैवाहिक अधिकार पर दावे के लिये कोई याचिका ही दायर की है। वह गुवाहाटी के कॉलेज में काम करती है और उसका पति असम के ही तेजपुर जिले में व्यापार करता है। वह सिर्फ एक बार दिसम्बर 2009 में ही ससुराल गई

(शेष पृष्ठ 7 पर)

- सुप्रीम कोर्ट ने उस महिला की शादी निरस्त की, जो गत बारह साल से अपने ससुराल में रहने में कोई रूचि नहीं दिखा रही।

सी.बी.आई. को भय है, बैंक स्कैम में लिप्त ''स्कैमस्टर'' विदेश भागने में सफल हो जाएंगे

बैंकों ने प्र.मंत्री को चिट्ठी लिखकर आशंका व्यक्त की कि, गैर भाजपा सरकारों के असहयोग के कारण सी.बी.आई. इन अपराधियों के खिलाफ जांच करने में कुण्ठित हो रही है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 फरवरी। सैन्ट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (सी.बी.आई.) ने प्रधानमंत्री कार्यालय को सावधान कर दिया है कि वे गैर भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों से बात करें, कि इससे पहले कि बड़े बैंक घोटालेबाज देश से भाग जायें, वे राज्य ऐसे करीब 100 लोगों को गिरफ्तारी में मदद करें, क्योंकि जब तक राज्यों में कार्यवाही करने के लिये सरकार की सामान्य सहमति/स्वीकृति नहीं होगी, तब तक सी.बी.आई. लुकआउट नोटिस जारी नहीं कर पायेगी।

पी.एम.ओ. को भेजी गई अपनी रिपोर्ट में, एजेंसी ने कहा है, ''बहुत बड़े बैंक फ्रॉड के करीब 100 ऐसे केस हैं, जो दर्ज नहीं किये जा सकते क्योंकि राज्यों ने, दिल्ली स्पेशल पुलिस ऐस्टाब्लिशमेंट एक्ट (जिसके तहत सी.बी.आई.) कार्यवाही करती हैं, के तहत विशिष्ट स्वीकृति देने से इंकार कर दिया है या संबंधित राज्य सरकारों द्वारा दी स्वीकृतियाँ वापस ले ली गई हैं।''

उन राज्यों में महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, पंजाब, छत्तीसगढ़ तथा तमिलनाडू शामिल हैं, जहाँ गैर भाजपा सरकारों के कारण, बैंक-फर्जीवाड़ा की सी.बी.आई. द्वारा शुरू की गई जाँचें गति नहीं पकड़ सकीं। मुम्बई में ऐसे सर्वाधिक बैंक हैं तथा सी.बी.आई. वह बैंक फर्जीवाड़ों की जाँचों में तेजी नहीं ला पा रही है।

सी.बी.आई. के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा कि एजेंसी ने गुजरात के ए.बी.जी. शिपयार्ड के शीर्ष प्रबंधन को 2300 करोड़ रू. के कथित बैंक-फ्रॉड में ''लुकआउट सर्कुलर'' जारी कर दिया है ताकि कम्पनी के किसी भी व्यक्ति को हवाई अड्डों तथा सीमा पार करके देश से भाग जाने से रोका जा सके।

(शेष पृष्ठ 7 पर)

- सरकारों के इस रवैये के कारण, अपराधियों को मौका मिल जाता है, भारत से पलायन करने का।

नये कानून

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 फरवरी। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने, चार वर्ष से कम उम्र के बच्चों को अपने साथ मोटर साइकिल पर ले जाते समय, बच्चों की सुरक्षा के लिये मोटर वीकल एक्ट के तहत, नये नियम अधिसूचित कर दिये हैं।

15 फरवरी को जारी की गई अधिसूचना में उनके लिये सेफ्टी हार्नेस तथा क्रैश हैलसेट का उपयोग अनिवार्य कर दिया गया है तथा मोटर साइकिल की गति अधिकतम 40 किमी/घंटा तक सीमित कर दी गई है। इसका मसौदा अक्टूबर 2021 में जनता की टिप्पणियों एवं सुझावों के जारी कर दिया गया था।

ये नियम सैन्ट्रल मोटर वीकल (दूसरा संशोधन) रूल्स 2022 कहा गया है तथा ये नियम गजट अधिसूचना के एक साल बाद लागू हो जायेंगे। 4 से

(शेष पृष्ठ 7 पर)

- चार साल से कम उम्र के बच्चे को मोटरसाइकिल पर साथ बिठाने के लिये नये कानून बनेंगे।

कोविड की भांति आतंकवाद पूरी तरह खत्म नहीं हो रहा, विशेषकर सीमा पार से आने वाला आतंकवाद

जब भी भारत या पाकिस्तान के शासकों को ''सुविधाजनक'' लगता है, सीमा पार से आने वाला आतंकवाद खबरों में छाने लगता है

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 फरवरी। जैसे महामारी विशेषज्ञ कहते हैं कि कोविड-19 अब कमोबेश अब रहेगा ही, ठीक वैसे ही, आतंकवाद भी रहेगा, खासतौर से इसका सीमा-पार वाला वैरिएंट तो जाता दिखाई नहीं देता, बस कभी-कभी यह कमज़ोर पड़ जाता है। लेकिन यह नियमित रूप से अपना सिर उठाता रहता है या फिर जब भी भारत और पाकिस्तान के नेतृत्व को इसे उभारना करना या जनता में इसकी चर्चा करना सुविधाजनक लगता है, यह अपना सिर उठा ही लेता है।

अब हमें इसका सामना करना है। भारत में चुनावों के लिये मतदान चल रहा है तथा पाकिस्तान का नेतृत्व अपनी खराब अर्थव्यवस्था एवं राजनैतिक प्रशासन की और से दबाव महसूस कर रहा है।

ये कारण सम्भवतः भारत और पाकिस्तान के बीच अनवरत चल रहे वाक् युद्ध समझा सकते हैं। दोनों ही देश इस समय एक-दूसरे पर पश्चिमी सीमा पर संकट को उकसाने एवं भड़काने के आरोप लगा रहे हैं।

भारत ने संयुक्त राष्ट्र संघ की न्यूयॉर्क-स्थित ''काउन्टर टैररिज़्म कमेटी'' (सी.टी.सी.) को सूचित किया है कि पाकिस्तान पाक-अधिकृत कश्मीर में आतंकवाद को समर्थन एवं वित्तीय मदद देने के लिये जिम्मेदार है। इधर पाकिस्तान ने सीमा-पार अफगानिस्तान से आ रहे आतंकवाद पर चिन्ता जताई है।

पाकिस्तान के दैनिक ''डॉन'' की रिपोर्ट कहती है कि यू.एन. मिशन में पाकिस्तान के वकील उमर सिद्दीकी ने यू.एन. की सुरक्षा परिषद में दी गई दलीलो में उन ''मास्टर माइन्ड्स'' को जिम्मेदार ठहराया, जो पाकिस्तान सीमा के अन्दर सीमा पर के आतंकी हमलों को समर्थन, प्रोत्साहन एवं पैसा दे रहे हैं। पाकिस्तान ने अफगानिस्तान से आ रहे क्रॉस-बॉर्डर आतंकवाद का मुद्दा सुरक्षा परिषद में भारत द्वारा इस सप्ताह के शुरू में यू.एन. के मंच का उपयोग करते हुये पाक-अधिकृत कश्मीर में आतंकवाद को प्रोत्साहित करने के लिये पाकिस्तान को जिम्मेदार ठहराए जाने के बाद उठाया।

भारत की पहल से न्यूयॉर्क में हुई यू.एन. की काउन्टर-टैररिज़्म कमेटी (सी.टी.सी.) की वार्षिक मीटिंग दक्षिण एशिया की इन दो परमाणु-ताकतों के बीच के वाक् युद्ध में बदल गई। जनवरी के बाद कमेटी की यह पहली मीटिंग थी, जिसकी अध्यक्षता भारत ने की।

डॉन ने कहा कि पिछले सप्ताह पाक की सुरक्षा सेनाओं ने बलूचिस्तान के उनके शिविरों पर हुये दो हमले नाकाम किये थे। लड़ाई में, कम से कम 13 आतंकी मारे गये थे, जबकि पाकिस्तान के सात सैनिक तथा एक अधिकारी शहीद हो गये थे।

पिछले महीने, इसी प्रकार का एक हमला बलूचिस्तान के कैच नामक स्थान पर हुआ था जिसमें पाकिस्तान के 10 सैनिक शहीद हो गये थे।

इस सप्ताह के शुरू में, इन्टर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आई.एस.पी. आर.) ने घोषणा की थी कि पाकिस्तान ने उन लोगों के बीच हो रहे संदेशों के आदान-प्रदान को पकड़ा, जिन्होंने बलूचिस्तान में हमले किये थे तथा जो लोग अफगानिस्तान और भारत से उन्हें निर्देश प्रदान कर रहे थे।

पाकिस्तान की कड़ी कूटनीतिक निन्दा करते हुये, भारत के प्रतिनिधि राजेश परिहार ने इस्लामाबाद पर दोषारोपण करते हुये कहा कि वह इस क्षेत्र में आतंकवाद को बढ़ावा दे रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, परिहार ने अपने दावे की पुष्टि के लिये 2016 के पठान कोट हमले तथा 2019 के पुलवामा हमले का उल्लेख भी किया था। ऐसा ही अप्रत्यक्ष तरीका अपनाते हुये, पाकिस्तान के प्रतिनिधि ने यू.एन. की इस संस्था से कहा कि वह सुनिश्चित करे कि पाकिस्तान में आतंकी हमले करने के लिये अफगानिस्तान की ज़मीन का उपयोग न हो।

पाकिस्तानी प्रतिनिधि ने कमेटी-सदस्यों को याद दिलाया कि पाकिस्तान ने एक से अधिक बार कि उनके देश में हुये आतंकी हमलों में बाहरी (भारतीय) लिप्तता के अकाट्य साक्ष्य यू.एन. सुरक्षा परिषद के साथ साझा किये हैं।

सिद्दीकी ने कहा, ''हम सब जानते हैं कि तहरीके-तालिबान पाकिस्तान (टी.टी.पी.) तथा जमात-उल-अहरार (जे.यू.ए.) जैसे आतंकी समूहों को समर्थन एवं पैसा कौन दे रहा है।''

पाकिस्तानी प्रतिनिधि ने मूलभूत मानवाधिकारों, जैसे कश्मीर में आत्मनिर्णय के अधिकार के लिये होने वाला जायज संघर्ष को आतंकवाद से अलग देखने की जरूरत पर भी बल दिया। उन्होंने कहा, ''हमें तकनीकी निकायों की हाईजैकिंग की अनुमति भी

(शेष पृष्ठ 7 पर)

- अभी भारत में चुनाव हैं तथा पाकिस्तान की सरकार इकोनॉमिक व राजनीतिक संकटों में घिरी हुई है, अतः दोनों देशों के बीच गर्मा-गर्म शब्दों का खुलकर उपयोग हो रहा है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से पैंथर की मौत

उदयपुर, 16 फरवरी (कासं)। उदयपुर से डबोक जाने वाले मार्ग पर देबारी के समीप जिंक चौराहे पर हाईवे पर अज्ञात वाहन की टक्कर से एक पैंथर की मौत हो गई। घटना देर रात की बताई जा रही है।

जानकारी के अनुसार देबारी जिंक चौराहे पर देर रात पास की पहाड़ियों से आया पैंथर सड़क पार अन्य पहाड़ी की ओर जा रहा था इसी दौरान अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी। सुबह सड़क पर मृत पैंथर को देख वहां लोगों की भीड़ जमा हो गई। लोगों ने मृत पैंथर को सड़क से किनारे किया। इसके पश्चात मौके पर

- देबारी ज़िंक चौराहे पर देर रात पास की पहाड़ियों से पैंथर नीचे आकर सड़क पार दूसरी पहाड़ी की ओर जा रहा था, इसी दौरान अज्ञात वाहन ने उसे चपेट में ले लिया।

विचार बिन्दु

काम-क्रोध और लोभ, ये तीनो नरक के द्वार है। –गीता

सामाजिक एवं आर्थिक बदलाव के दौर में मीडिया अशांत

मीडिया और समाज दोनों ही पिछले दो दशकों में आये सामाजिक-आर्थिक बदलावों और तकनीकी विकास के कारण अपने आप को उथल-पुथल में पाकर अशांत हैं। सामाजिक भूमिका की अपनी समझ और बाजार के दबाव के परस्पर विरोधी हितों के बीच समाचार संगठनों में ऐसा तनाव हमेशाही बना रहा है। विशेषज्ञों ने परंपरागत रूप से इसे पत्रकारिता-उन्मुख और व्यवसाय-उन्मुख श्रेणियों में विभाजित किया है। उनका कहना है कि जैसे-जैसे प्रतियोगिता कड़ी होती जाती है और आर्थिक विचार तेजी से केंद्र में आ जाते हैं तब पत्रकारिता और व्यवसाय के बीच संतुलन बनाये रखने के लिए संपादकीय नेतृत्व की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। नई परिस्थितियों में काम करना और समाचार प्रस्तुतीकरण के कारोबारी माहौल को लगातारबदलना जब जरूरी हो जाता है तब समाचार संगठनों के भीतर व्यावसायिक क्षमता की आवश्यकता भी बढ़ जाती है। इस प्रकार बदलते मीडिया परिदृश्य में संपादकीय टीम के नेता से यह अपेक्षा बढ़ जाती है कि वह अपनी पत्रकारिता के साथ व्यावसायिक दक्षता का भी कौशल रखे और उसका प्रदर्शन करे क्योंकि किसी भी समाचार संगठन में चुनौतियों से निपटने के लिए प्रथम उसी की जिम्मेदारी बनती हैं। नये अर्थतंत्र में समाचार संगठन के नेतृत्व की जिम्मेदारी अब उसी को सौंपी जाने लगी है जो बाज़ार को साध सके। यह स्थिति पत्रकारी नैतिकता और बाजार की मांग के बीच तनाव पैदा करती है। मीडिया जगत में यह तनाव समाचारों के चयन और प्रस्तुतीकरण में प्रकट होता है। बाज़ार की ताकतों का हावी होना परंपरागत पत्रकारिता के लोगों को अवांछनीय लगता है।

सर्वत्र महसूस किए जा रहे इस तनाव को समझने के लिए पहले यह समझना आवश्यक है कि मीडिया से हमारा आशयक्या है? मीडिया अर्थात् माध्यम। माध्यम का स्वयं का अपना कोई रूप नहीं होता है। वह एक मंच होता है जिस पर अनेक लोग और संस्थाएं लोकसंचार की भूमिका में सक्रिय होते हैं। यह लोकसंचार सर्व लोकहित का हो सकता है, व्यावसायिक हित वाला हो सकता है तो असामाजिक और आतंकी हितों को साधने वाला भी हो सकता है, जैसा कि सोशल मीडिया के उपयोग का हमारा अनुभव बताता है। सही बात तो यह है कि जब हम मीडिया की भूमिका की बात करते हैं तब मीडिया का उपयोग करने वालों की भूमिका की बात करते हैं। इसलिए विस्फोटक हालात तक पहुंचे हुए आर्थिक तनाव को समाचार माध्यमों के कर्मियों की भूमिका के परिपेक्ष्य में समझना समीचीन होगा। पहले जब अधिकतर समाचार माध्यम छपे हुए समाचार पत्र ही हुआ करते थे तब यह विधा पत्रकारिता कहलाती थी। मगर कालांतर में यंत्र तकनीक के जबर्दस्त विस्तार के चलते जनसंचार के अन्य माध्यमों - रेडियो, टीवी और इंटरनेट - ने सारा परिदृश्य बदल दिया है। इस तकनीकी विस्तार ने मनोरंजन की दुनिया से आगे जाकर समाचार जगत में प्रवेश करलिया है जिससे खेल के नियम आमूल बदल गए हैं। यंत्र तकनीक का यह विकास बाज़ार जनित है। इसका एक मात्र उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों तक पहुंच बना कर उपभोग की वस्तुओं और सेवाओं के लिए ग्राहक जुटाना होता है। इस नए परिवेश में समाचार माध्यमों को ही नहीं समाचारों को भी मनोरंजक बनाने और उसी तरह उन्हें प्रस्तुत करने की कला सीखते हुए पत्रकार मीडियाकर्मी बन गए जिन्हें नये गुर सिखाने के लिए प्रचार या विज्ञापन विधा के लोगों का दखल स्वाभाविक रूप से होना ही था। इससे पत्रकारिता पूर्वकाल जैसी नहीं रही और मीडियाकर्म में बदल गई। मीडिया पर निगाह रखने वाले बहुत से लोग मानते हैं कि इस कारण पुराने जमाने की पत्रकारिता में जो एक वैचारिक ईमानदारी का आग्रह हुआ करता था वह शनैः शनैः तिरोहित होता चला गया है।

पत्रकारिता को यदि हम एक मानवीय और सामाजिक संस्कार मान लें तो गलत भी नहीं होगा। संस्कारवान समाचार मीडिया, भले ही वह किसी भी काल का हो, उसकी सबसे महत्वपूर्ण भूमिका सच्ची जानकारी देने की मानी जाती रही है। मगर इसके लिए पहली जरूरत होती है मीडियाकर्मी के खुद के पास सच्ची जानकारी का होना। कभी पत्रकार से यह अपेक्षा होती थी कि वह इतना काबिल हो कि वह सूचनाओं के सत्य की सभी परतें पहचान सके और उन्हें बिना किसी मिर्च मसाले की लेई में लिपटाये प्रस्तुत कर सके। वही अपेक्षा आज के मीडियाकर्मी से करना गलत भी नहीं है। इसीलिए समाचार माध्यमों से सामाजिक सरोकारों की अपेक्षा की जाती हैं। मीडियकर्मी इस भूमिका में तभी रह सकता है जब वह चिरस्थाई विपक्ष की तोहमत झेल कर भी आम जन के साथ खडा रहे। मीडियाकर्मी एक ऐसे शिक्षक की भूमिका में भी होता है जो सत्य को उजागर करे तथा लोगों के सम्मुख ऐसी अप्रीतिकर बातें रखने में भी गुरेज नहीं करे। मगर मीडिया संस्थानों का नया आर्थिक मॉडल मीडियाकर्मी को वस्तुओं के लिये बाज़ार बनाने की नई भूमिका में धकेलता है। बाज़ार की ताकतें यह काम बड़ी चतुराई से करवाती हैं। ऐसी ताकतों के हाथों में खेलता हुआ मीडियाकर्मी ऊपर से तो जनहित का सबसे बड़ा पैरोकार नज़र आता है मगर वह वास्तव में बाज़ार का हित साध रहा होता है। इससे वह खुद भी बेखबर होता है। प्रत्येक तेजी से आगे बढने वाला संस्थान समाचार को बिक्री योग्य उत्पाद बना कर उसे मनोरंजक और ध्यान आकर्षित करने वाला बनाने की एक दूसरे से होड़ करता नज़र आता है। खबरों को रंग देकर लोगों में कौतूहल जगाया जाता है ताकि पढने-देखने वालों को उनमें रस आये और वे उससे जुडे रहें। इस जुडे रहने के समय में बाज़ार अपना माल बेचने के प्रपंच रचता है। हम जानते हैं कि किसी अखबार की लागत का अधिकांश हिस्सा उसे अपने पाठक से उसके दाम के रूप में नहीं मिलता। लागत और बिक्री मूल्य के बीच का अंतर विज्ञापनों से होने वाली आय से पाटा जाता है। ऐसे में यह तनाव और अधिक गंभीर हो जाता है। डिजिटल मीडिया में प्रिन्ट मीडिया जैसा लागत-बिक्री का यह तनाव तो नहीं होता किन्तु उसके नए प्रकार के व्यावसायिक मॉडल की अपनी शर्तें और जरूरतें होती हैं जहां ग्राहक को लगातार ललचाना होता है। या तो ग्राहक उसके कंटेन्ट का पैसा दे या उसे विज्ञापन से आय हो। दोनों ही परिस्थितियों में ग्राहक को लुभाने के जबरदस्त इंतजाम करने पड़ते हैं। यह स्थिति तनाव पैदा करती है। ऐसे तनाव के माहौल में समाजशास्त्री पत्रकारिता को बचाने की बात करते हैं।

> **कभी पत्रकार से यह अपेक्षा होती थी कि वह इतना काबिल हो कि वह सूचनाओं के सत्य की सभी परतें पहचान सकें और उन्हें बिना किसी मिर्च मसाले की लेई में लिपटाये प्रस्तुत कर सकें। वही अपेक्षा आज के मीडियाकर्मी से करना गलत भी नहीं है। इसीलिए समाचारमाध्यमों से सामाजिक सरोकारों की अपेक्षा की जाती हैं।**

यह तो सभी मानते हैं कि स्वतंत्र और निष्पक्ष पत्रकारिता लोकतंत्र की महत्वपूर्ण जरूरत है। यह भी कि लोकतंत्र को बचाना है तो असहमति का होना जरूरी है। असहमति को अभिव्यक्ति का अधिकार भी बताया जाता है। अभिव्यक्ति की आज़ादी की बात करते हुए बहसों में अकादमिक लोगों के साथ मीडिया को अपनी राय के हिसाब से नियंत्रण करने वाले भी कूद पड़ते हैं और एक नया तनाव पैदा करते हैं। हम जानते हैं कि डिजिटल मीडिया के जमाने में इन दिनों सामाजिक सरोकारों के किसी मुद्दे पर बात करना आसान नहीं रहा है। ज्यों ही किसी ने ज़बान खोली इसे राजनीति के दो में से किसी एक पाले में खड़ा कर दिया जाता है। जब ऐसा किया जाता है तब संवाद नहीं रह जाता। भिडंत हो जाती है। यहां लगने लगता है कि असहमति लोकतंत्र का जरूरी पहलू है तथा संवाद की अहमियत है जैसे आदर्श वाक्य धरे रह जाते हैं। स्वतंत्र मीडिया और लोकतंत्र कैसे और क्यों संकट में है यह खासकर उदारवादियों के लिए अधिक चिंता का विषय लगने लगा है। संपूर्ण उदारवादी लोकतांत्रिक प्रणाली उन दार्शनिक विचारों पर आधारित है जो हमें 18वीं शताब्दी से विरासत में मिली है। खास कर व्यक्ति की स्वतंत्र इच्छा का विचार उदार वैश्विक नज़रिये को रेखांकित करता है, जैसे मतदाता सबसे बेहतर जानता है, ग्राहक हमेशा सही होता है, सुंदरता देखने वाले की निगाह में होती है, अपने दिल की मानें और वह करें जो मन को अच्छा लगे। ये सभी उदारवादी मॉडल, जो हमारी राजनीतिक और आर्थिक प्रणाली की नींव हैं, वे मानते हैं कि अंतिम अधिकार व्यक्तियों की स्वतंत्र पसंद है। दिलचस्प बात यह है कि मुक्त बाज़ार का भी यही मंत्र है, ग्राहक हमेशा सही होता है। स्वतंत्र इच्छा की घोषणा इस दार्शनिक और आध्यात्मिक नज़रिये पर आधारित है कि ग्राहक की पसंद मानव की स्वतंत्र इच्छा का प्रतिनिधित्व करती है, जो दुनिया में सबसे महत्वपूर्ण अधिकार है इसलिए हमें इसे मानना चाहिए। राजनीतिक क्षेत्र में यही बात कुछ इस तरह से कही जाती है कि मतदाता सबसे बेहतर जानता है। परंतु जब चुनावों के परिणाम विचारों के विपरीत आते हैं तब उसी मतदाता को भ्रम में पड़ना बता दिया जाता है। जानकार कहते हैं कि स्वतंत्र इच्छा हमेशा एक मिथक ही रही है। इसका कोई वैज्ञानिक आधार नहीं रहा। विज्ञान तो प्रकृति में केवल दो प्रकार की प्रक्रियाओं को जानता है। एक तो नियतिकारक (डिटर्मिनिस्टिक) तथा दूसरी आकस्मिक (रेंडम)। कहते हैं कि आकस्मिक और संभाव्यता को स्वतन्त्रता नहीं कह सकते। मानव में इच्छाशक्ति होती है। वे फैसला लेते हैं। वे अपनी पसंद बनाते हैं लेकिन क्या वे सच में अपनी इच्छानुसार चयन कर सकते हैं, यह बड़ा सवाल हमेशा से ही बना रहा है। विचारवान लोग कहते हैं कि पसंद स्वतंत्र नहीं होती। मीडिया के जरिये ग्राहक की पसंद तैयार की जाती है जिसके लिए आज डिजिटल तकनीक नये-नये औजार तैयार कर रही है। दबाव में आया मीडिया और मीडियाकर्मी इनका उपयोग करने के लिए अभिशापित हैं।

–अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

"खबर लहरिया" साक्षर महिलाओं के बदलाव की कहानी : ऑस्कर में नॉमिनेशन का सम्मान

राजेन्द्र मोहन शर्मा

साक्षर महिलाओं की टीम की ओर से संचालित अखबार जो अब पोर्टल पर आ गया है 'खबर लहरिया' के नाम से विख्यात समाचारों की दुनिया ने महिला शक्ति की पहल का इतिहास रच दिया है। महज दो दशक की यात्रा में खबर लहरिया ने सिद्ध कर दिया कि सामाजिक सरोकारों पर आधारित पत्रकारिता की जाए तो लोगों का ध्यान ही नहीं जाता अपितु वह यथोचित सम्मान भी हासिल करता है। इसी क्रम में खबर लहरिया की डॉक्यूमेंट्री 'राइटिंग विद फायर' ने ऑस्कर अवाड्र्स में नॉमिनेशन हासिल कर धमाका कर दिया।

खबर लहरिया हिन्दी की उपबोली बुन्देली में प्रकाशित एक आंचलिक समाचार पत्र था जिसका प्रकाशन 2002में महज दो पन्नों से हुआ और फिर आठ पन्नों के अखबार के रूप में आगे बढा। अखबार आदिवासी और ठेठ ग्रामीण महिलाओं से जुड़ा था जिसमें सभी महिलाएं भी पत्रकार हैं, प्रकाशक हैं ने अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर 2009 में यूनेस्को साक्षरता पुरस्कार जीत कर अपने इरादे जता दिए थे। यही अखबार अब डिजिटल न्यूज चैनल दलित ग्रामीण महिलाओं द्वारा 'निरन्तर' नामक एन.जी.ओ. संस्था के प्रोत्साहन से निकाला जाता है। 'राइटिंग विद फायर' डॉक्यूमेंट्री को ऑस्कर में एंट्री मिलने के बाद से यह लगातार चर्चा में है। यहां संपादन और समाचार संकलन का पूरा काम महिलाएं करती हैं।

आरम्भिक समूह से जुडी मीरा कहती हैं कि शुरुआत में संवाददाता के रूप में गांव की गरीब महिलाओं के जुड़ने का उनके परिवार व समाज के लोग ही विरोध करते थे लेकिन अब यह विरोध कम हो गया है। अखबार के रूप में 2015 तक इसकी प्रसार संख्या साढे चार हजार हो गई थी और पाठकों की संख्या बीस हजार से अधिक। मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश के अलावा बिहार में भी अनेक जिलों से निकलने लगा। इसकी सम्पादक कविता बुन्देलखण्डि कहती हैं अखबार 2002 में शुरू हुआ और दो दशक के सफर में आज जा पंहुचा आस्कर के नोमिनेशन तक, यह सब महिलाओं की सामूहिक शक्ति का नतीजा है।

आस्कर के 94वें एकेडमी अवॉर्ड्स के नॉमिनेशन्स की लिस्ट ज्यों ही सामने आई भारत की 'राइटिंग विद फायर' डॉक्यूमेंट्री ने ऑस्कर 2022 की फाइनल नॉमिनेशन में जगह बना कर सब को चौंका दिया । जबकि जय भीम और मरक्कर जैसी दो फिल्में जो पहले से इस लाइन में थी फाइनल नॉमिनेशन में जगह हासिल नहीं कर पाई। 'राइटिंग विद फायर' डॉक्यूमेंट्री एक अखबार की कहानी है। आस्कर अवार्ड नोमिनेशन लिस्ट में किसी अखबार की कहानी को जगह मिलना अपने आप में एक चमत्कार कहा जा रहा है।

राइटिंग विद फायर डॉक्यूमेंट्री दलित, अल्पसंख्यक और आदिवासी महिलाओं द्वारा चलाए जाने वाले अखबार खबर लहरिया की कहानी है 30 जनवरी 2021 को रिलीज हुई, इसे सुमित घोष और रिंतु थोमस ने निर्देशित किया है और प्रॉड्यूस भी। यह डॉक्यूमेंट्री दलित, अल्पसंख्यक और आदिवासी महिलाओं द्वारा चलाए जाने वाले अखबार खबर लहरिया की कहानी है। कई सालों तक गांव की महिलाओं ने मोबाइल फोन व सीमित संसाधनों के सहारे रिपोर्टिंग की और इस अखबार के जरिए क्राइम, महिलाए संबंधी और दलित-पिछड़ों समेत कई मुद्दों को कवर किया। इन महिलाओं के जुनून और इरादे ने वो कर दिखाया जो पढ़े-लिखे बड़े-बड़े दिग्गज नहीं कर पाए। इसी असली कहानी पर सुमित घोष और रिंतु थोमस ने राइटिंग विद फायर डॉक्यूमेंट्री बनाई थी।

रिंतु थोमस की राइटिंग विद फायर डॉक्यूमेंट्री के बाद इस खबर लहरिया अखबार की खूब चर्चा हो रही है। इस न्यूजपेपर का नाम खबर लहरिया है। यह अखबार सिर्फ खबरें नहीं छापता बल्कि बल्कि महिलाओं और बच्चों को जीवन में आगे बढने के उनके इर्दगिर्द की सफल कहानियों के माध्यम से जबरदस्त ढंग से प्रेरित करता है। इसी जज्बे की कहानी को बयां करती यह डॉक्यूमेंट्री विश्वभर में प्रशंसा प्राप्त कर रही है।

साल 2002 में खबर लहरिया चित्रकूट समेत बुंदेलखंड के कई जिलों में प्रकाशित होने लगा था। यह ग्रामीण महिलाओं में जरूर लोकप्रिय होने लगा था ऐसा इसीलिए हुआ क्योंकि इस अखबार में महिलाएं खबरें भेज और प्रकाशित कर रही थीं । जिन्हें खुद हिंदी या इंग्लिश नहीं आती थी। इन महिलाओं को सिर्फ अपने काम-काज और रहन-सहन की स्थानीय बोली आती थी। उन्होंने अपने मुद्दों को अपनी देसी भाषा में उठाया। उनकी बोली की ताकत ने ही आज उनकी कहानी को देश-विदेश में काफी लोकप्रिय बना दिया है। बुंदेली के बाद अवधि और भोजपुरी भाषाओं में इसे प्रकाशित किया जाने लगा। 40 ग्रामीण महिलाओं का एक समूह बना और इन्होंने अखबार के हर छोटे बड़े काम को करना शुरू किया। इस सफर की शुरुआत करने वाली महिला मीरा जाटव, शालिनी जोशी और कविका बुंदेलखंडी ने साथ मिलकर की। कविता एक दलित परिवार से आती हैं उनकी शादी महज महज 12 साल की उम्र में हो गई वे पढाई पूरी नहीं कर पाई थी। बस इसी कसक ने कविता को हौसला और विचार दिया। अखबार खबर लहरिया की सबसे खास बात ये है कि इनकी पूरी टीम महिला पत्रकारों से जुडी है।

ये महिला पत्रकार समाज के अनछुए मुद्दे, सरकार के वादे, भ्रष्टाचार, महिलाओं के खिलाफ हिंसा, दलित-आदिवासी के विषय और गरीबों व महिलाओं से जुड़े मुद्दों को कवर करती हैं। साल 2015 में ये प्रिन्ट अखबार तो बंद हो गया लेकिन इसकी वेबसाइट शुरू की गई। अब ये पूरी तरह से डिजिटल तौर पर काम करता है और स्थानीय भाषाओं में शुरू किया गया ये सफर, आज इंग्लिश भाषा में भी खबरें परोसता है।

खबर लहरिया के पत्रकार अपने क्षेत्र में अन्याय की जांच और दस्तावेजीकरण भी करते हैं। वे स्थानीय पुलिस बल की अक्षमता पर सवाल उठाती हैं। जातीय और लिंग आधारित हिंसा के शिकार लोगों की सुनवाई करती हैं और उनके साथ खड़ी होती हैं।

वस्तुत: लहर खबरिया ने यह सिद्ध कर दिया है कि भाषाएं किसी भी सफलता और विकास की राह को नहीं रोक सकती हैं। बुंदेलखंडी, अवधि और फिर न जाने कितनी ही क्षेत्रिय बोलियों और भाषाओं में अखबार के डिजिटल प्लेटफॉर्म ने न केवल अपनी आवाज पूरी दुनिया में पहुंचा दी है बल्कि महिलाओं के मुद्दों को सशक्त ढंग से उठाया है । ऑस्कर में फाइनली नामांकित होने के लिए हम सब पाठक वर्ग लहर खबरिया अखबार में काम कर रही बहनों का स्वागत करते हैं और उन्हें बधाई देते हैं। इस अखबार ने राजस्थान सहित अन्य प्रांतीय और क्षेत्रीय बोलियों के लिए भी नए रास्ते खोल दिए हैं। जरूरत है गैर सरकारी संस्थाओं और साक्षर तथा सशक्त महिलाओं के द्वारा पहल करने की है।

राजेन्द्र मोहन शर्मा,
साहित्यिकार, शिक्षाविद
एवं चिन्तक

गंगाजल और तुलसी

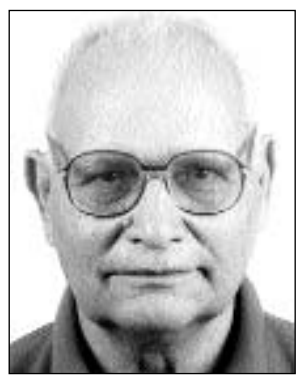

डॉ. श्रीगोपाल काबरा

1950 के दशक में कोलकत्ता के मेडिकल कॉलेज में जब रोगी मर्णासन्न हो जाता था तो मरीज के रिश्तेदारों को बता कर हम उसके बेड हैड टिकट पर लिखते थे गंगाजल और तुलसी दें। तब घर पर भी आखरी समय पर गंगाजल और तुलसी देने का प्रचलन था। आज भी दी जाती है, गांवों में, जहां चिकित्सा सेवायें उपलब्ध नहीं है। उसके बाद अस्पताल में प्रचलन शुरू हुआ कोरामिन इन्जेक्शन का। जब मरीज की सांस उखड़ती और हृदय गति लड़ख़ड़ा कर बंद होती तब कोरामिन का इन्जेक्शन दिया जाता, यहां तक कि सीधा दिल के अन्दर कोरामिन इन्जेक्ट किया जाता था। आक्सीजन दी जाती थी। पेशेन्ट आक्सीजन पर है का माने होता था कि मरीज आखरी सांसे गिन रहा है।

लेकिन अब मेडिकल सांईस ने काफी प्रगति कर ली है। हर अंग का कार्य करने के लिए क्रत्रिम उपकरण उपलब्ध हैं। सांस के लिए वेन्टीलेटर; हृदय गति लड़खड़ाने पर पेसमेकर। दिल की धड़कन बंद होने को पहले मौत का लक्षण माना जाता था, अब नहीं। धड़कन रुकते ही सी पी आर - कार्डियो पलमोनेरी रिसेसिटेशन शुरू होता है। हर रोगी पर ऐसा करना अब लाजमी है। आवश्यक हो तो बिजली का झटका दे कर भी कोशिश की जाती है। रक्त में आक्सीजन आदि का स्तर मापने का ऐसा यंत्र उपलब्ध है जो पलपल का स्तर दिखाता है। गुर्दे काम करना बंद कर दें तो डायालिसिस मशीन उपलब्ध है। रक्त चाप बनाये रखने को दवाऐं व एओर्टिक पम्प है। सब अंगों को सपोर्ट करने के यंत्र हैं, बस नहीं है तो मस्तिष्क को चालू रखने या फिर से चालू करने का कोई यंत्र। अंत समय में हर विशेषज्ञ अपनी सेवायें देता है। इसी लिए आधुनिक अस्पताल में आज रोगी मल्टीऑर्गन फेलियोर से मरते हैं केवल हार्ट फेलियोर से मरने नहीं दिया जा सकता। आधुनिक अस्पताल के मोक्षद्वार - आई सी यू - में मोक्ष को, स्तर अनुरूप भव्यता प्रदान की जाती है। गंगाजल तुलसी से अब मोक्ष नहीं मिलता। नोरएड्रेनिल, डोपामिन (रक्तचाप बढाने को), मेरुपेनम (उच्चस्तरीय महंगी एन्टीबायोटिक) के बिना अब मोक्ष नहीं मिलता।

किसी प्रकार के आधात या शॉक से अगर हटात् हृदय गति रुक गई है, दिल की धड़कन बंद हो गई है, व्यक्ति संज्ञाशून्य मृत (मर्णासन्न) है तो तुरंत सी पी आर विधि से उसे जीवित किया जा सकता है। मरे हुए व्यक्ति को जीवित करना चमत्कार था। बड़ी आसान विधि है। सीने पर सामने से दबाव डालिए जिससे उसके पीछे स्थित हृदय, स्टर्नम और रीड के बीच भिंचे। एक मिनट में जितनी बार दिल धड़कता है उतनी बार ऐसा करने पर रक्त संचार चालू रहेगा, विशेष कर मस्तिष्क को, और अंग जीवित रहेंगे। साथ ही नाक बंद कर मृत के मुंह में फूंक मारिए ताकि उसके फेफड़े हवा से भर जायें। उतनी बार करिये जितनी बार एक मिनट में सांस ली जाती है। संचारित होते रक्त का आक्सीकरण होता रहेगा। अंगो को, हृदय को भी, प्राणवायु मिलती रहेगी। समयोपरांत धड़कन वापस चालू हो सकती है।

आई.सी.यू. में सी पी आर में स्वांस, यंत्र से दी जाती है, अन्यथा विधि वही है। अब हर मरणासन्न रोगी की सी.पी.आर. की जाती है। करनी भी चाहिए। ऐसी ही अन्य विधियों का सामुहिक प्रयोग अंत समय में होता है, मल्टीडिसिप्लनेरी ट्रीटमेन्ट से मल्टीऑर्गन फेलियोर टालने के लिए। ऐसा न करना नेग्लिजेंस की श्रेणी में आता है। कोर्ट कचहरी से बचने के लिए डॉक्टर इसी में अपना मोक्ष ढूंढते हैं। ऐसा करना ही सेहत के लिए भी लाभकारी है।

डॉ. श्रीगोपाल काबरा
वरिष्ठ चिकित्सक, जयपुर

पश्चिम मध्य रेलवे पूरे भारत में अव्वल

कोटा, (निसं)। रेल पर वार्षिक रिपोर्ट के दौरान त्रैमासिक आंकलन के साथ केपीआई में अप्रैल से जनवरी अवधि के दौरान की गई विभिन्न कार्यों में रेल राजस्व के मदों का आंकलन किया गया गौरतलब है कि पश्चिम मध्य रेल द्वारा वार्षिक रिपोर्ट के त्रैमासिक आंकलन के साथ माह जनवरी 2022 में केपीआई रिपोर्ट के अंतर्गत पूरे भारतीय रेलवे में शीर्ष स्थान पर है। इसके अंतर्गत रेलवे राजस्व, सामान्य कार्य व्यय, संड़ी रेल राजस्व एवं पूंजीगत व्यय के साथ बेहतर प्रदर्शन किया। वित्तीय प्रदर्शन से भारतीय रेल के राजस्व में अधिक वृद्धि करना एवं व्यय को कम करने का फायदा होता है। संरक्षा प्रदर्शन में बेहतर आंकलन के साथ शत प्रतिशत प्रदर्शन किया गया है। रेलवे विद्युतीकरण, रेल लाइन दोहरीकरण, न्यू रेलवे लाइन, गेज परिवर्तन, प्राइवेट साइडिंग का कमीशन। मानवीय संसाधन के अंतर्गत रेलवे के कार्यों का अध्ययन कर उनका युक्तिकरण करके बेहतर प्रदर्शन किया गया है। इसके साथ ही साथ रेलवे कर्मचारियों की गुणवत्ता का भी आंकलन किया जाता है।

आदिवासी महाकुंभ बेणेश्वर मेले में हजारों भक्त उमड़े

महंत न श्रीफल उछाले जिन्हे भक्तों ने प्रसाद के रूप में लिया

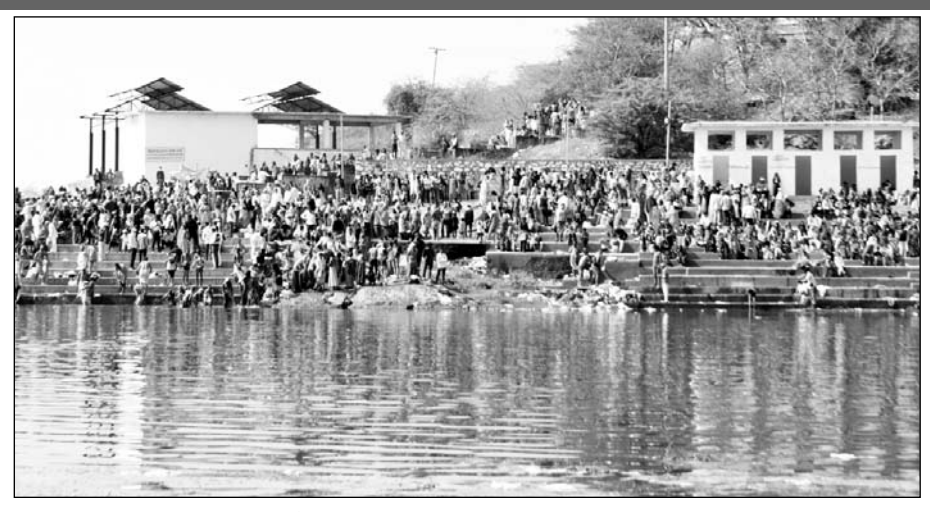

बेणेश्वर मेले में शाही स्नान के दौरान हजारों श्रद्धालु उमड़े।

डूंगरपुर, (निसं)। शहर से 70 किमी दूर बेणेश्वर धाम पर बुधवार को माघ पूर्णिमा पर आदिवासियों के महाकुंभ में हजारों भक्त आए। सोम, माही, जाखम नदियों के संगम के कारण इसे वागड का हरिद्वार कहते है। महाकुंभ 300 साल से चली आ रही परंपराओं का साक्षी है।

महाकुंभ में राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश सहित देशभर के कोने-कोने से आए भक्तों ने त्रिवेणी संगम के नदी घाटों पर पवित्र स्नान किया। नदी में सुबह उगते हुए सूर्य को अर्घ्य दिया । शिव मंदिर, राधा कृष्ण मंदिर, ब्रह्मजी मंदिर, वाल्मीकि मंदिरों में दर्शनों के लिए भक्तों की कतारें रही। मुख्य आकर्षण महंत अच्युतानंद महाराज की पालकी यात्रा रही। साबला श्रीहरि मंदिर से रवाना हुई। 5 किलोमीटर की पालकी यात्रा में हजारों श्रद्धालु जुडते गए। पालकी की धाम पर पंहुचते ही जयकारे लगाते हुए पालकी का स्वागत ओर दर्शन किए।

महंत की पालकी सोम, माही, जाखम नदियों के त्रिवेणी संगम बेणेश्वर धाम आबूदर्रा घाट पर पहुंची। हजारों भक्तों के साथ महंत अच्युतानंद

■ कोरोना में छूट के बाद लगी दुकानें

महाराज ने आबूदर्रा घाट पर त्रिवेणी संगम में शाही स्नान किया। महंत ने श्रीफल उछाले, जिसे श्रद्धालुओं ने प्रसाद के रूप में लिया। आबूदर्रा घाट राजा बलि के यज्ञस्थली के रूप में प्रसिद्ध है। सालभर में जिन परिवारों में लोगों की मौत हुई है उनकी अस्थियों का त्रिवेणी संगम में विसर्जन किया।

कोरोना से छूट मिलने के बाद धाम पर बडी संख्या में दुकानें लगी। खाने-पीने से लेकर खेतीबाडी, खिलौने, श्रृंगार, बर्तन की खरीद दारी हुई। मेले में करीब 500 से ज्यादा छोटी-बडी अस्थाई दुकानें लगी। सरकार की ओर से छूट कर बाद मेले में दुकानें लगाई गई है।

राशिफल

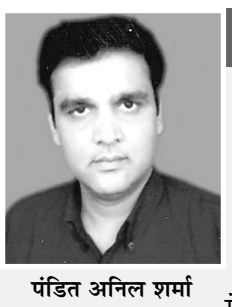

पंडित अनिल शर्मा

गुरूवार 17 फरवरी, 2022

फाल्गुन मास कृष्ण पक्ष, प्रतिपदा तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2078, मघा नक्षत्र सांय 4:11 तक, अतिगंड योग सांय 7:46 तक, बालव करण दिन 10:34 तक, चन्द्रमा सिंह राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कुम्भ, चन्द्रमा-सिंह, मंगल-धनु, बुध-मकर, गुरू-कुम्भ, शुक्र-धनु, शनि-मकर, राहु-वृष, केतु-वृश्चिक राशि में।
आज माघी मासय (दक्षिण भारत में) है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ सूर्योदय से 8:30 तक, चर 11:17 से 12:41 तक, लाभ-अमृत 12:41 से 3:28 तक, शुभ 4:52 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 7:06, सूर्यास्त 6:16

मेष
परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है। परिवार में आपसी ईर्ष्या-वैमनस्यता के कारण परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। धार्मिक कार्यों में भाग लेने का अवसर मिलेगा।

वृष
परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। चलते कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी।

मिथुन
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिचितों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

कर्क
वाणी पर संयम रखना ठीक रहेगा। वाणी की कटुता के कारण परिवार में मतभेद बढ़ सकते हैं। जीवनसाथी से वाद-विवाद टालना ठीक रहेगा।

सिंह
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक सुगमता से बनने लगेंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

कन्या
आर्थिक मामलों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। धन हानि का भय बना रहेगा। अनावश्यक धन खर्च होगा। मन में असंतोष बना रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

तुला
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित परामर्श मिलेगा।

वृश्चिक
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

धनु
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

मकर
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। यात्रा में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

कुंभ
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

मीन
अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक कार्यों के लिए बाहर जाना पड़ सकता है। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

केन्द्रीय दल ने ग्रामीणों से सूखा से उत्पन्न स्थिति की जानकारी ली

बीकानेर, (कासं)। खरीफ 2021 में जिले में सूखे की स्थिति के कारण हुए नुकसान के आंकलन के लिए अंतर मंत्रालय केन्द्रीय दल द्वारा बुधवार को सूखा प्रभावित क्षेत्रों का भ्रमण कर नुकसान का जायजा लिया। केन्द्रीय अध्ययन दल ने कोलायत व लूणकरनसर उपखंड क्षेत्र के गांवों का दौरा करके ग्रामीणों से सूखा के संबंध में फीडबैक लिया।

अंतर मंत्रालय केन्द्रीय दल में शामिल भारत सरकर के अतिरिक्त सलाहकार पेयजल एवं स्वच्छता विभाग राजशेखर, आर. बी. कौल सलाहकार व्यय विभाग नई दिल्ली व सहायक निदेशक कृषि मंत्रालय ने उपखण्ड लूणकरनसर के गांव बामनवाली, मेहराना-जैसा व धीरेरा तथा कोलायत उपखण्ड के गांव कोटडा, खारी चारणान, मोडिया मानसर का अतिरिक्त जिला कलेक्टर (प्रशासन) बलदेवराम धोजक व अधिकारियों के साथ भ्रमण किया एवं किसानों से सूखे की स्थिति के बारे में चर्चा की।

उन्होंने किसानों से फसल बीमा क्लेम, शुद्ध पेयजल, पशु चारा, मनरेगा में रोजगार, पीएम किसान सम्मान निधि योजना में मिलने वाले लाभ के बारे में जाना। केन्द्रीय अध्ययन दल ने सूखा प्रभावित इलाकों की समसामयिक स्थितियों के बारे में जानकारी ली और पंचायत समिति कोलायत के ग्राम कोटड़ा, खारी चारणान व मोडिया मानसर में चौपाल लगाकर ग्रामीणों, किसानों तथा पशुपालकों से सीधा संवाद किया। पेयजल पशुपालन खेती-बाड़ी तथा सूखा के दौरान आजीविका व जनजीवन के बारे में विस्तार से चर्चा की। अन्तर मंत्रालय केन्द्रीय अध्ययन दल के अधिकारियों ने इस दौरान ग्रामीणों से फीडबैक लेते हुए कहा कि उनकी भावनाओं को सरकार तक पहुंचाया जायेगा।

- **केन्द्रीय अध्ययन दल ने कोलायत व लूणकरनसर उपखंड क्षेत्र के गांवों का दौरा कर ग्रामीणों से सूखा के संबंध में फीडबैक लिया**

दल के अधिकारियों ने तसल्ली से ग्रामीणों को सुना और ग्राम्य जनजीवन के बारे में विस्तार से पूछा। उन्होंने गांव में ड्रिंकिंग वाटर, पशुओं के लिए चारा की उपलब्धता, पीएम आवास योजना के बारे में भी पूछा। उन्होंने ग्रामीणों से खरीफ फसल के दौरान कौन-कौन सी फसल ली जाती है और कितना उत्पादन हुआ है। उसके बारे में भी ग्रामीणों से जानकारी ली। ग्रामीणों ने बताया वर्षा आधारित एक ही फसल बारानी क्षेत्र में ली जाती है। बरसात होने के कारण हमने ग्वार, तिल, बाजरा व मोठ की बिजाई की थी परंतु समय पर बरसात नहीं होने की वजह से फसल बर्बाद हो गई। पशुओं के लिए चारा की भी समस्या है। ग्रामीणों ने मननरेगा में कार्य स्वीकृत करवाने तथा शुद्ध पेयजल आपूर्ति के लिए व्यापक प्रयास करने, बरसात की कमी की वजह से फसलों के खराबी, घास की कमी और पशुपालन पर संकट आदि के साथ ही विभिन्न समस्याओं पर ध्यान आकर्षित किया। ग्रामीणों ने केन्द्रीय अध्ययन दल के समक्ष अपनी बात रखी और विश्वास व्यक्त किया कि सरकार द्वारा इस दिशा में व्यापक प्रयास जल्द ही किए जायेंगे।

एडीएम धोजक ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि ग्रामीणों द्वारा प्रस्तुत समस्याओं का समाधान तथा शिकायतों का निस्तारण जल्द से जल्द किया जाए। इस दौरान अतिरिक्त जिला कलेक्टर (प्रशासन) बलदेव राम धोजक, एसडीएम कोलायत प्रदीप कुमार चाहर, विकास अधिकारी कोलायत दिनेश सिंह भाटी, संयुक्त निदेशक कृषि विभाग डॉ उदय भान, सहायक निदेशक कृषि रामकिशोर मेहरा, अधीक्षण अभियंता जलदाय विभाग बीरबल सिंह, संयुक्त निदेशक पशुपालन वीरेन्द्र नेत्रा, सेन्ट्रल को-ऑपरेटिव बैंक के एम. डी. रणवीर सिंह उपस्थित थे।

श्रीडूंगरगढ़ में वन विभाग ने बंद किया पैंथर सर्च अभियान

बीकानेर, (कासं)। बीकानेर के धोरों में पैंथर के पदमार्क तो मिल रहे हैं लेकिन वो खुद नजर नहीं आ रहा है। पिछले करीब एक महीने से बीकानेर के लूणकरनसर और श्रीडूंगरगढ़ के गांवों में वन विभाग पैंथर को ढूंढ रहा है। अब इसके श्रीडूंगरगढ़ से भी आगे निकलने की आशंका जताई जा रही है। श्रीडूंगरगढ़ में दो दिन से एक पैंथर के धोरों में घूमने का वीडियो वायरल हो रहा है, लेकिन वन विभाग को इसकी सत्यता पर संदेह है।

दरअसल सबसे पहले लूणकरनसर के कुछ गांवों में फुट मार्क देखे गए थे। इसके बाद वहां वन विभाग ने गांव-गांव चप्पा चप्पा छान मारा लेकिन कहीं भी पैंथर नजर नहीं आया। जो फुटमार्क देखे गए थे वो पैंथर के ही माने गए। इसके बाद पिछले सप्ताह श्रीडूंगरगढ़ में ऐसे ही फुटमार्क देखे गए। इतना ही नहीं तौलियासर गांव के पास कुछ लोगों ने पैंथर देखने का भी दावा किया। इसके बाद यहां भी वन विभाग ने पड़ताल की लेकिन पैंथर नहीं मिला।

- **एक महीने से बीकानेर के लूणकरनसर और श्रीडूंगरगढ़ के गांवों में वन विभाग पैंथर को ढूंढ रहा है, अब इसके श्रीडूंगरगढ़ से भी आगे निकलने की आशंका जताई जा रही है**
- **श्रीडूंगरगढ़ में दो दिन से एक पैंथर के धोरों में घूमने का वीडियो वायरल हो रहा है, लेकिन वन विभाग को इसकी सत्यता पर संदेह है**

माना गया कि सरसो के खेत में पैंथर घुस गया है। इन खेतों में ड्रोन की सहायता से खोजबीन की गई लेकिन कहीं कोई पैंथर नजर नहीं आया। इस बीच मंगलवार को एक वीडियो वायरल हुआ। इसमें धोरों के बीच एक पैंथर जैसा ही जानवर नजर आया। ये वीडियो वन विभाग के रेंजर जितेंद्र के पास भी पहुंचा। उन्होंने बातचीत में कहा कि ये वीडियो पुराना लग रहा है। इसमें ये भी स्पष्ट नहीं हो रहा कि जानवर पैंथर ही है। अब इस वीडियो को ही पुराना माना जा रहा है। माना जा रहा है कि अरावली की पहाड़ियों से पैंथर तो आया है लेकिन वो अब श्रीडूंगरगढ़ से भी आगे बढ़ गया है। वन विभाग के रेंजर जितेंद्र का मानना है कि ये रात के अंधेरे में आगे भी निकल सकता है।

9 मेडिकल स्टोर के लाईसेंस निलम्बित

श्रीगंगानगर, (कासं)। औषधि नियंत्रक विभाग द्वारा जांच में विभिन्न प्रकार की अनियमितता पाये जाने के कारण जिले के विभिन्न 9 मेडिकल स्टोर के अनुज्ञा पत्र निलम्बित किये गए हैं।

सहायक औषधि नियंत्रक डी. एस. उप्पल ने बताया कि शकुन्तलम् फार्मास्यूटिकल्स श्रीगंगानगर का 28 फरवरी से 6 मार्च, जगदम्बा मेडिकल स्टोर केसरीसिंहपुर का 28 फरवरी से 4 मार्च, शर्मा मेडिकल स्टोर घडसाना का 28 फरवरी से 4 मार्च, अनमोल मेडिकल स्टोर रामसिंहपुर का 28 फरवरी से 4 मार्च, ओम मेडिकोज सादुलशहर का व आदि मेडिकोज श्रीगंगानगर तथा जय सियाराम मेडिकोज का 28 फरवरी से 4 मार्च, गुरू गोविंद सिंह मेडिकल स्टोर श्रीगंगानगर व तथा गणपति मेडिकोज नेतेवाला का 28 फरवरी से 2 मार्च तक लाईसेंस निलम्बित किया गया है।

संक्रामक बीमारियों से पशुओं को बचाने के उपाय बताये

श्रीगंगानगर, (कासं)। पशु विज्ञान केन्द्र सूरतगढ़ द्वारा पशुओं में संक्रामक बीमारियों के बचाव एवं उपचार विषय पर ऑनलाइन प्रशिक्षण शिविर का आयोजन बुधवार को किया गया।

केन्द्र के प्रभारी अधिकारी डॉ. राजकुमार बेरवाल ने ऑनलाइन माध्यम से सभी पशुपालकों का स्वागत व्यक्त कर पशुओं के विभिन्न प्रकार रोग जैसे खुरपका, मुंहपका, गलघोंटू, फीडकिया, माता, पी.पी.आर. इत्यादि के बारे में विस्तार से बताया।

उन्होंने कहा कि पशुओं में कुछ ऐसे संक्रामक रोग होते हैं, जिनका कोई उपचार नहीं होता, ऐसी स्थिति में उपचार से बचाव ही उचित समाधान होता हैं। संक्रामक रोगों से पीड़ित पशु की चिकित्सा भी अत्यंत मंहगी होती है। उपचार के लिए पशु चिकित्सक भी गाँव में आसानी से नहीं मिल पाते है। इन रोगों से पीड़ित पशु को यदि सही समय पर सही जानकारी के साथ बीमारियों से बचाया जा सकता है। उन्होंने बताया कि बीमारियों से उनके उस ब्यात के दूध की मात्रा में अत्यंत कमी हो जाती है, जिससे पशुपालकों को अधिक आर्थिक हानि होती है।

डॉ. मनीष कुमार सेन ने बताया कि

- **संक्रामक बीमारियों से पशुओं का बचाव एवं उपचार विषय पर ऑनलाइन प्रशिक्षण दिया**

पशुओं में ब्रूसेलोसिस, टी.बी., मैस्टाइटिस रेबीज आदि बीमारियों की पहचान तथा जांचें पशुपालकों को प्रयोगशाला में करवानी चाहिए।

यदि कोई पशु बीमार होता है तो उसमें संक्रामक रोग के लक्षण मिलते ही स्वस्थ पशुओं को बीमार पशु से अलग रखें। रोगी पशु की देखभाल के बाद दवायुक्त पानी से हाथ पैर धोएं। पशुओं को रखने वाले स्थल पर चूना आदि से नियमित सफाई की जाए। रोगाणुनाशक दवाएं फिनाइल या दूसरी दवा के घोल से उसकी धुलाई जरूरी है। पशुओं के बैठने की जगह के नीचे कीचड़ नहीं बनने दें। गोबर और पशु मूत्र जितना जल्दी हो सके खाद के गड्ढे में पहुंचा दें। संक्रामक रोग फैलने की सूचना पर तत्काल नजदीकी पशु चिकित्सालय से संपर्क आवश्यक रूप से करनी चाहिए।

अम्बेडकर पुरस्कार के लिए 10 मार्च तक आवेदन मांगे

हनुमानगढ़, (कासं)। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती पर प्रदान किये जाने के लिए अम्बेडकर पुरस्कार वर्ष 2022 के प्रस्ताव 10 मार्च तक आमंत्रित किये गये हैं।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक विक्रम सिंह सोलंकी ने बताया कि विभाग द्वारा डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयंती पर सामाजिक सेवा, महिला उत्थान एवं न्याय के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाली संस्था, व्यक्ति को अम्बेडकर सामाजिक सेवा पुरस्कार, अम्बेडकर महिला कल्याण पुरस्कार एवं अम्बेडकर न्याय पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।

शेखावत ने बताया कि प्रतिवर्ष अम्बेडकर जयंती पर ये पुरस्कार दिए जाते है, जिसके लिए योग्य व्यक्ति एवं संस्थाओं का चयन किये जाने हेतु प्रस्ताव 10 मार्च तक निदेशालय के पते पर डाक से अथवा व्यक्तिश: जमा कराये जा सकते हैं। इस संबध में आवेदन पत्र एवं अन्य जानकारी विभागीय वेबसाइट अथवा सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के जिला कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है। अम्बेडकर सामाजिक सेवा के तहत एक लाख रुपये नकद एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाता है। इसके लिए राज्य के मूल निवासी व्यक्ति,पंजीकृत संस्था कम से कम पांच वर्ष से अनुसूचित जाति एवं जनजातियों के लिए सामाजिक सेवा के क्षेत्र में कार्यरत रहकर योजनाओं का लाभ लक्षित वर्ग तक पहुंचाने में उल्लेखनीय रूप से कार्य कर रही हो एवं उच्च चरित्र एवं उच्च प्रतिष्ठा का प्रमाण पत्र जिला कलेक्टर द्वारा प्रदत्त हो, पात्र होंगे।

उन्होने बताया कि अम्बेडकर महिला कल्याण पुरस्कार के तहत 51 हजार रुपये नकद एवं प्रशस्ति पत्र दिया जाता है। इस के लिए राज्य की मूल निवासी महिला पंजीकृत संस्था कम से कम चार वर्ष से अनुसूचित जाति तथा जनजातियों की महिलाओं के उत्थान के लिए कार्यरत रहकर योजनाओं का लाभ लक्षित वर्ग तक पहुंचाने में उल्लेखनीय रूप से कार्य कर रही हो एवं उच्च चरित्र एवं उच्च प्रतिष्ठा का प्रमाण पत्र जिला कलेक्टर द्वारा प्रदत्त हो, पात्र होंगी। उन्होंने बताया कि अम्बेडकर न्याय पुरस्कार के तहत 51 हजार रुपये नकद एवं प्रशस्ति पत्र दिया जाता है।

शराब के नशे में खुले नाले में गिरने से युवक की मौत

बीकानेर, (कासं)। जस्सूसर गेट एरिया में नाले में गिरने से एक युवक की मौत हो गई। शराब के नशे में युवक सार्वजनिक प्याऊ पर पानी पीने गया, लेकिन पैर फिसलने से नाले में गिर गया। देर रात की घटना होने से किसी ने उसे बाहर नहीं निकाला।

रातभर डूबे रहने से युवक की मौत हो गई। ये वो ही जगह है जहां कुछ दिन पहले एक गाय की मौत हो गई थी। तब भी स्थानीय लोगों ने प्रशासन को चेताया था कि यहां बड़ा हादसा हो सकता है। किसी ने इस पर ध्यान नहीं किया। नतीजतन आज एक युवक की मौत हो गई। क्षेत्र के लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया तो अतिरिक्त कलेक्टर ने मौके पर पहुंचकर नाला बंद करवाने का आश्वासन दिया। दरअसल कमला कॉलोनी में रहने वाला तरुण छाबड़ा शराब के नशे में धुत होकर इस रास्ते से निकल रहा था। उसे प्यास लगी थी। पानी पीने के लिए वो इस सार्वजनिक नल के पास पहुंचा। यहां नल पर हाथ जाने के बजाय फिसलकर नाले में गिर गया। शराब ज्यादा पी होने के कारण वो खुद को बाहर नहीं निकाल सका। ऐसे में उसकी दर्दनाक मौत हो गई।

- **नशे में युवक रात में प्याऊ पर पानी पीने गया, पैर फिसलने से नाले में गिर गया**
- **रात भर नाले में डूबे रहने से एसकी मौत हो गई**

सुबह जब लोगों ने उसका शव नाले में देखा तो पुलिस को फोन कर सूचना दी। नयाशहर थानाधिकारी गोविन्द सिंह चारण मौके पर पहुंचे। शव को बाहर निकाला, तब तक मोहल्ले के लोग विरोध दर्ज कराने पहुंच गए। कांग्रेस नेता राजकुमार किराडू भी मौके पर पहुंचे। स्थानीय लोगों को समझा बुझाकर रास्ता खुलवाया गया। अतिरिक्त कलेक्टर अरुण शर्मा ने जल्द ही नाला बंद करवाने का आश्वासन दिया। इस नाले की सफाई भी नहीं होती है।

स्वयंसेवक करेंगे नशे के विरुद्ध आमजन को जागरूक

श्रीगंगानगर, (कासं)। नेहरू युवा केन्द्र श्रीगंगानगर (युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार) द्वारा स्वयंसेवकों की मासिक बैठक का आयोजन केन्द्र कार्यालय में जिला युवा अधिकारी भूपेंद्र सिंह शेखावत की अध्यक्षता में किया गया।

शेखावत ने स्वयंसेवकों को जिला प्रशासन द्वारा चलाए जा रहे 'ना नशा करेंगे ना करने देंगे' अभियान की विस्तृत जानकारी देते हुए शपथ दिलाई। आमजन को नशे से दूर रहने, युवाओं को खेलों से जोड़ने हेतु प्रोत्साहित किया गया। सभी युवा स्वयंसेवकों को इस अभियान को लोगों तक पहुंचाने का आग्रह किया।

राजस्थान सरकार
कार्यालय नगर विकास न्यास,श्रीगंगानगर (राज)
TelefaxNo.0154-2466652, Email:-
SECYUIT_SGNR@RAJASTHAN.GOV.IN
officeAddress:-uit office,Model Town,sri Gangannagar (Raj.)335001
क्रमांक:-नियमन/2022/1542 दिनांक 16.2.2022

सार्वजनिक आपत्ति सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि भू-रूपान्तरण विभाग श्रीगंगानगर द्वारा चक 3ई छोटी मुरब्बा नं.17किला नं.18साईज 291.66वर्गगज श्रीगंगानगर का पट्टा संख्या 1207 दिनांक 04.09.1991 को श्रीमती सुदर्शना पत्नी श्री बनारसी लाल के नाम से जारी किया हुआ है, जो कि दिनांक 24.09.2021 को नामान्तरण उपरान्त श्री संजय गोयल पुत्र श्री भंवर लाल के नाम से दर्ज है। प्रशासन शहरों के संग अभियान के अन्तर्गत प्रदत छूट के तहत श्री संजय गोयल पुत्र श्री भंवर लाल द्वारा उक्त भूखण्ड के समस्त मूल दस्तावेजों को न्यास में समर्पित कर नवीन फ्री होल्ड पट्टा जारी करने हेतु प्रकरण न्यास में प्रस्तुत किया गया है। अत:इस भूखण्ड से सम्बन्धित निष्पादित अन्य कोई दस्तावेज हो तो सूचना के प्रकाशन के 07दिवस में पुख्ता दस्तावेजो सहित अपनी आपत्ति/उजर/दावा निम्न हस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत कर सकते है। उक्त अवधि के दौरान इस भूखण्ड से सम्बन्धित समस्त दस्तावेजों को आमखास/हितबद्ध व्यक्ति के देखने व पढने के लिये कार्यालय समय में खुला रखा गया है। बाद मियाद प्रकरण का निस्तारण कर दिया जावेगा एवं कोई आपत्ति/उजर स्वीकार नही होगा।

सचिव नगर विकास न्यास श्रीगंगानगर

राजस्थान सरकार
कार्यालय नगर विकास न्यास,श्रीगंगानगर (राज)
TelefaxNo.0154-2466652, Email:-
SECYUIT_SGNR@RAJASTHAN.GOV.IN
officeAddress:-uit office,Model Town,sri Gangannagar (Raj.)335001
क्रमांक:-नियमन/2022/1540 दिनांक 16.02.2022

सार्वजनिक आपत्ति सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि चक 3ई छोटी मुरब्बा नं. 06 किला नं 17 साईज 183.3 वर्गगज, श्रीगंगानगर का नियमन पट्टा संख्या 502/20.03.1989 को आपके कार्यालय से श्री जगदीश प्रसाद पुत्र श्री मोहरी लाल के नाम से जारी किया हुआ है। श्री पुरूषोतम गोयल पुत्र श्री सूरजभान निवासी अशोक नगर-बी, श्रीगंगानगर द्वारा उक्त भूखण्ड में माप 15'0"इन्टू 55'0"फीट इकरारनामा द्वारा क्रय कर प्रशासन शहरों के संग अभियान के अन्तर्गत प्रदत छूट के तहत पूर्व में भू-रूपान्तरण विभाग, श्रीगंगानगर द्वारा जारी पट्टे माप 183.3 वर्गगज में से अपने-अपने हक के मूल दस्तावेजों को समर्पित कर नवीन फ्री होल्ड पट्टा जारी करने हेतु प्रकरण मय दस्तावेज नरूास में प्रस्तुत किया गया है। अत: उक्त भूखण्ड के सम्बन्ध में किसी को कोई आपत्ति हो तो अपनी आपत्ति मय सबूत छाया दिनांक से सात दिवस के अन्दर-अन्दर न्यास कार्यालय में प्रस्तुत करें, अन्यथा बाद मियाद गुजरने के उपरान्त आवेदक द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर नियमन कर पऽटा जारी कर दिया जावेगा। न्यास किसी भी विवाद के लिए जिम्मेदार नहीं होगा।

सचिव नगर विकास न्यास श्रीगंगानगर

राजस्थान सरकार
कार्यालय नगर विकास न्यास,श्रीगंगानगर (राज)
TelefaxNo.0154-2466652, Email:-
SECYUIT_SGNR@RAJASTHAN.GOV.IN
officeAddress:-uit office,Model Town,sri Gangannagar (Raj.)335001
क्रमांक:-नियमन/2022/1539 दिनांक 16.02.2022

सार्वजनिक आपत्ति सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि चक 3ई छोटी मुरब्बा नं. 40/42 किला नं. 20 साईज 1001.3वर्गगज, श्रीगंगानगर का नियमन पट्टा संख्या 593/27.09.1989 को श्रीमती उषा देवी पत्नी श्री वेदप्रकाश के नाम से जारी किया हुआ है। श्री महावीर प्रसाद गर्ग पुत्र श्री मोमन चन्द गुप्ता एवं श्रीमती आशा पत्नी श्री महावीर प्रसाद गर्ग निवासी म.न.220, गली नं.03 भूप कॉलोनी, श्रीगंगानगर द्वारा उक्त भूखण्ड में से माप 40'0"इन्टू 33'5"फीट इकरारनामा द्वारा क्रय कर प्रशासन शहरों के संग अभियान के अन्तर्गत प्रदत छूट के तहत पूर्व में भू-रूपान्तरण विभाग, श्रीगंगानगर द्वारा जारी पट्टे माप 1001.3वर्गगज में से अपने-अपने हक के मूल दस्तावेजों को समर्पित कर नवीन फ्री होल्ड पट्टा जारी करने हेतु प्रकरण मय दस्तावेज न्यास में प्रस्तुत किया गया है। अत: उक्त भूखण्ड के सम्बन्ध में किसी को कोई आपत्ति हो तो अपनी आपत्ति मय सबूत छाया दिनांक से सात दिवस के अन्दर-अन्दर न्यास कार्यालय में प्रस्तुत करें, अन्यथा बाद मियाद गुजरने के उपरान्त आवेदक द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर नियमन कर पट्टा जारी कर दिया जावेगा। न्यास किसी भी विवाद के लिए जिम्मेदार नहीं होगा।

सचिव नगर विकास न्यास श्रीगंगानगर

आबकारी व पुलिस ने 12 हजार लीटर कच्चा लाहण नष्ट कर भट्टियां तोड़ी

हनुमानगढ़, (कासं)। जिला कलेक्टर नथमल डिडेल के निर्देश पर अवैध शराब के खिलाफ बुधवार को आबकारी और पुलिस विभाग ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए 12 हजार लीटर कच्ची लाहण नष्ट करते हुए 12 भट्टियां तोड़ी। इस दौरान 80 लीटर हथकढ़ शराब भी जब्त की गई। जिला आबकारी अधिकारी चिमन लाल मीणा के नेतृत्व में आबकारी विभाग व पुलिस विभाग ने संयुक्त रूप से कार्रवाई की।

जिला आबकारी अधिकारी श्री चिमन लाल मीणा ने बताया कि जिला कलेक्टर ने अवैध शराब में लिप्त लोगों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए थे। जिसकी पालना में आबकारी विभाग हनुमानगढ़ के चार आबकारी थानों के प्रभारियों व जाप्ते तथा हनुमानगढ पुलिस के जाप्ते के साथ संयुक्त रूप से गंगागढ, देवूघाट, डबलीराठान में अवैध शराब को लेकर कार्रवाई की गई।

इन स्थानों पर अवैध हथकड़ शराब बनाई जा रही थी। कुल 12 कच्ची भट्टियां तोड़ी गई व शराब बनाने की सामग्री नष्ट की गई।

- **गंगागढ, देवूघाट, डबलीराठान में अवैध शराब को लेकर कार्रवाई की**
- **इस दौरान 80 लीटर हथकढ़ शराब भी जब्त की गई**

इस दौरान 12 हजार लीटर शराब बनाने का कच्चा लाहण भी नष्ट किया गया। मीणा ने बताया कि संयुक्त कार्रवाई के दौरान शराब निर्माण कर रहे लोग भाग खड़े हुए तथा विभाग द्वारा 80 लीटर हथकढ़ शराब बरामद कर चार लोगों पर 04 मुकदमे दर्ज किये गये।

मीणा ने बताया कि इस कार्रवाई से अवैध शराब के कारोबार में लिप्त लोगों में डर का माहौल है। जिला कलेक्टर के निर्देशन में आबकारी विभाग द्वारा समय- समय पर इस प्रकार की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

आनंद वी. आचार्य की स्मृति में नाट्य समारोह 19 से शुरू

बीकानेर, (कासं)। संकल्प नाट्य समिति बीकानेर द्वारा शायर रंगकर्मी स्व. आनंद वी. आचार्य की स्मृति में तीन दिवसीय नाट्य समारोह स्थानीय टाउन हॉल में 19 फरवरी से आरम्भ होगा।

समारोह के प्रथम दिन नाटक ' पिताजी की बंद पेटी' का मंचन होगा जिसके लेखक योगेश त्रिपाठी एवं निर्देशिका मंजूलता रांकावत होगी। समारोह के द्वितीय दिन 20 फरवरी को हरिशंकर परसाई की कहानियों पर आधारित नाटक 'हैल्लो मिस्टर परसाई' का मंचन होगा। जिसका नाट्य रूपान्तरण दयानंद शर्मा एवं नाट्य निर्माण सुरेश आचार्य ने किया है।

पांच हजार की रिश्वत लेते पटवारी को एसीबी ने रंगे हाथों दबोचा

पिता के नाम जमीन को पुराने रिकॉर्ड के अनुसार दर्ज करने के नाम पर मांगी रिश्वत

पाली एसीबी की टीम ने लापोद के पटवारी को रिश्वत लेते गिरफ्तार किया।

सुमेरपुर, (निसं)। सुमेरपुर उपखण्ड क्षेत्र के लापोद हल्के के पटवारी को एसीबी ने पांच हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथों दबोचा।

पाली एसीबी के एएसपी नरपतचंद ने बताया कि पटवार मंडल लापोद के पटवारी आशीष मीणा को परिवादी के पिता के नाम सुमेरपुर के बडगांवडा में कृषि भूमि के खसरों की जमाबंदी में सीरवी को पुराने रेकार्ड के अनुसार रेबारी करने के एवज में दस हजार की रिश्वत मांगी थी। इस दौरान बुधवार को परिवादी द्वारा पांच हजार की रिश्वत देने पर पटवारी आशीष मीणा को एसीबी ने रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। कार्रवाई के दौरान हैड कॉन्सिस्टेबल किशनसिंह, रीडर यशपाल सिंह, कॉन्सिस्टेबल हनुमान सिंह, धर्माराम, नरेन्द्र चौधरी, अवतारसिंह सहित अन्य मौजूद रहे।

पटवार परीक्षा के नकल मामले में पौरव 23 तक रिमांड पर

बीकानेर, (निसं)। पटवार परीक्षा में नकल करवाने के मामले में गिरफ्तार पौरव कालेर अब 23 फरवरी तक पुलिस रिमांड पर रहेगा । पौरव को अदालत ने पहले एक दिन का रिमांड दिया था, जिसे बढ़ाकर अब 23 फरवरी किया गया है। दरअसल, रिमांड अवधि बढ़ाने के लिए एडिशनल एसपी खुद अदालत में पेश हुए।

पटवार भर्ती परीक्षा 21 में केंडिडेट्स को इलेक्ट्रानिक डिवाइस से नकल करवाने के मामले में पौरव पर गंभीर आरोप लगे हुए हैं। पुलिस का आरोप है कि वो नकल के लिए पूरी गैंग चला रहा था। उसकी गैंग के सदस्य पहले ही पुलिस गिरफ्तार कर चुकी है। अब पौरव से पुलिस ये पता लगाना चाह रही है कि कौन -कौन केंडिडेट्स है, जिन्होंने नकल के लिए पौरव से संपर्क किया था। ये भी पता लगाया जा रहा है कि किन -किन केंडिडेट्स ने नकल की है। ऐसे केंडिडेट्स को भी पुलिस गिरफ्तार करके अदालत में पेश करना चाहती है। पौरव को मंगलवार को अदालत में पेश किया गया था, जहां से उसे एक दिन के पुलिस रिमांड पर भेजा गया। इस पर एडिशनल एसपी स्वयं अदालत में पेश हुए। उन्होंने अदालत से आग्रह किया कि कम से कम एक सप्ताह का पुलिस रिमांड मिलने पर ही उससे कुछ तथ्य निकलवा सकते हैं।

लॉन्चिंग से पहले लूट लिए एक करोड़ के 5 जी मोबाइल

कंटेनर ड्राइवर के साथ मिलकर की वारदात, सस्ते दाम में बेचना चाहते थे, 3 गिरफ्तार

अलवर, (निसं)। बाजार में लॉन्च होने से पहले बदमाशों ने 1 करोड़ के 5जी मोबाइल लूट लिए। कंपनी कुछ ही दिनों में ये मोबाइल लॉन्च करने वाली थी।

एक कंटेनर में इन्हें नोएडा से राजस्थान भेजा जा रहा था। इससे पहले ही बदमाशों ने ड्राइवर और उसके साथी से मिलीभगत कर मोबाइल निकाल लिए। कार सवार आरोपी अलवर की तरफ पहुंचे तो मालाखेडा पुलिस ने इन्हें पकड लिया और मोबाइल बरामद कर लिए । पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर पूछताछ शुरू कर दी है। मोबाइल कंपनियों को भी इस बारे में जानकारी दे दी है।

- आरोपियों से 227 मोबाइल पीस , तीन पिस्टल, 12 कारतूस और कार भी जब्त की

एसपी तेजस्वनी गौतम ने बताया कि मंगलवार शाम सूचना मिली थी कि एक स्विफ्ट कार में बदमाश मोबाइल लूटकर जयपुर से अलवर की तरफ आ रहे हैं। इस पर मालाखेडा पुलिस ने नाकाबंदी की। देर रात हल्दीना के पास बदमाशों को रुकवाया तो वे रूके नहीं। पुलिस ने कार के आगे जीप भी लगा दी, फिर भी बदमाशों ने फरार होने की कोशिश की। इस पर पुलिस ने घेराबंदी कर शाहिद उर्फ काला (22) निवासी डुडोली बछोर नूहं हरियाणा, अनीस(32) खां निवासी बाइपास रोड जयपुर व जब्बार खां(28) निवासी रसीद बिहार कॉलोनी मानपुर सडवा दिल्ली बाइपास जयपुर को गिरफ्तार किया। कार की तलाशी ली तो इसमें ओपो व रेनो कंपनी के 5जी मोबाइल के 227 पीस मिले।

पुलिस ने आरोपियों से 227 मोबाइल पीस बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार यह कंटेनर नोएडा से आ रहा था। पुलिस आरोपियों से ड्राइवर से कनेक्शन और लूट की लोकेशन के बारे में जानकारी जुटा रही है। पुलिस के अनुसार लूटे गए मोबाइलों की कीमत करीब 1 करोड़ है। पुलिस ने आरोपियों से तीन पिस्टल, 12 कारतूस और कार भी जब्त की है।

तिजारा के बाजार बंद रहे

अलवर, (निसं)। तिजारा के चूहड़पुर गांव में गौवंश के अपमान के विरोध में हिंदू संगठनों ने बुधवार को तिजारा बंद कराया है। संगठनों के सैकडों लोग सुबह ही एकत्रित हो गए थे। जिसे देखते हुए पुलिस प्रशासन भी मुस्तैद रहा। तिजारा विधायक संदीप यादव ने कहा कि दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस ने 3 जनों को गिरफ्तार किया है।

पूर्व विधायक मामन सिंह यादव ने कहा कि उनकी उम्र 62 साल हो चुकी है। ऐसा घिनौना अपराध सुना नहीं लेकिन तिजारा के चुहडपुर में गौवंश से कुकर्म की घटना ने सबको झकझोर दिया है। दोषियों को किसी सूरत में माफ नहीं किया जाएगा। घटना के विरोध में आमजन में जबर्दस्त गुस्सा है।

संगठनों के प्रतिनिधियों का कहना है कि चार बदमाशों ने गौवंश का अपमान किया था। इसके बाद इसका वीडियो भी समाने आया। इसके बाद से आरोपियों को सख्त सजा देने की मांग होने लगी। जन आवाज मंच के समन्वय राजू यादव ने कहा कि सभी समाज में इस घटना को लेकर बड़ा गुस्सा भी है। असल में गौवंश से कुकर्म करने को हिन्दू समाज माफ नहीं कर सकता।

सीएम ने विधायक दीपेंद्र सिंह के स्वास्थ्य की जानकारी ली

विधायक दीपेंद्र सिंह शेखावत से स्वास्थ्य के बारे में कुशलक्षेम पूछते सीएम गहलोत।

श्रीमाधोपुर, (निसं)। श्रीमाधोपुर विधायक दीपेंद्र सिंह शेखावत के आवास पर जाकर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शेखावत के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। गहलोत इस दौरान विधायक शेखावत के पुत्र पूर्व पीसीसी सचिव बालेंदु सिंह शेखावत व परिजनों से भी मिले और शीघ्र ही स्वस्थ होने की कामना की।

श्रीमाधोपुर विधायक दीपेंद्र सिंह शेखावत के पेट में तकलीफ के चलते पिछले कुछ दिनों से अस्वस्थ चल रहे थे । वे पहले गुडगांव के मेदांता हॉस्पिटल से डिस्चार्ज होकर आए थे लेकिन पेट में तकलीफ के चलते फिर से जयपुर में फोर्टिस अस्पताल में भर्ती कराया था ,स्वास्थ्य में सुधार आने के बाद फोर्टिस अस्पताल से डिस्चार्ज होकर विधायक शेखावत जयपुर स्थित अपने आवास पर स्वास्थ्य लाभ ले रहे हैं।

फैक्ट्री में हुए हादसे में श्रमिक की मौत

उदयपुर, (कासं)। फेक्ट्री में काम करने के दौरान हुए हादसे में घायल श्रमिक की उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार शहर के हिरणमगरी थानाक्षेत्र उमरड़ा स्थित अधिशा फास्फेट में काम करते हुए मशीन के बेल्ट में हॉथ फंसने से मौके पर कार्यरत श्रमिक खारवा निवासी हेमन्त उर्फ हिम्मत (19) पुत्र मेघा मीणा गंभीर घायल हो गए। जिसे साथी कर्मचारियों ने उपचार के लिए निजी चिकित्सालय में भर्ती करवाया। जहां उसकी उपचार के दौरान मौत हो गई।

घटना को लेकर परिजनों ने मुआवजे की मांग को लेकर शव लेने से इनकार कर दिया। जहां प्रबंधन द्वारा उचित मुआवजा देने का आश्वासन देने के बाद परिजन शव लेने पर राजी हुए। इधर सूचना मिलने पर एएसआई नाहरसिंह ने मौके पर पहुंच कर मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने मेघा पुत्र कला मीणा की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

बेरोजगारों की रीट भर्ती-2016 में रिक्त पदों को भरवाने की मांग

उप नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ से रीट भर्ती-2016 में रिक्त पदों को भरवाने की मांग करते बेरोजगार।

सादुलपुर, (निसं)। बुधवार को रीट भर्ती-2016 में सरकार द्वारा एसएलपी वापसी के कदम के बाद भी रिक्त सैकडों पदों को भरने की मांग को लेकर पीड़ित अभ्यर्थियों ने जनप्रतिनिधियों तक अपनी पीड़ा को पहुंचाया। लिखित ज्ञापन की मार्फत दर्जनों बेरोजगारों ने सत्ता पक्ष व विपक्ष के विभिन्न जनप्रतिनिधियों को अपनी पीडा से अवगत करवाया। वर्षों से लंबित रीट भर्ती-2016 में अंग्रेजी व विज्ञान-गणित के सैकडों पदों को भरने की मांग को लेकर प्रदेश के विभिन्न जिलों के पीडित बेरोजगारों अपने अपने क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों को मामले से अवगत करवाया। बुधवार सुबह विभिन्न जिलों के दर्जनों वंचित अभ्यर्थियों ने प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सतीश पूनिया,उपनेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़, दातारामगढ विधायक वीरेंद्र सिंह व अपने-अपने क्षेत्र के विभिन्न जनप्रतिनिधियों को मामले से अवगत करवाया।

रीट भर्ती 2016 वर्षों से लंबित है। हाई कोर्ट ने सभी रिक्त पदों को भरने का आदेश दिया हुआ है। गत वर्ष राज्य सरकार ने बेरोजगार हित में सुप्रीम कोर्ट से एसएलपी वापिस लेकर रिक्त पद भरने की कवायद शुरू की थी। लेकिन निदेशालय द्वारा बिना कागजात सत्यापन के अस्थायी चयनसूची जारी करने से सैकडों अभ्यर्थी अपात्र व अनुपस्थित पाए गए। सैकडों पात्र बेरोजगारों अभी भी चयन से वंचित हैं, जबकि अंग्रेजी के 511 में से करीब 200 तथा विज्ञान-गणित के 874 में से लगभग 400 पद वर्तमान में रिक्त रह गए हैं।

पुलिस दल पर हमला कर ट्रैक्टर ट्रॉली छुड़ा ले गए बजरी माफिया

बौंली, (निसं)। क्षेत्र के खिरनी पुलिस चौकी इंचार्ज एएसआई सुरेश चंद्र के नेतृत्व में गए पुलिस दल पर हमला कर एक पकड़ी गई ट्रैक्टर-ट्रॉली को बजरी माफिया लेकर फरार हो गए।

दहलोद गांव के पास अवैध बजरी खनन व परिवहन की लीज ठेकेदार त्रिलोकचंद के शिकायत पर खिरनी पुलिस चौकी प्रभारी सुरेश चंद मय जाब्ते के मौके पर पहुंचे जहां पर 5-6 ट्रैक्टर ट्रॉली बजरी खनन व परिवहन की तैयारी कर भरी खड़ी थी । पुलिस को देखते ही बजरी माफियाओं ने पुलिस दल पर हमला कर दिया। पुलिस दल ने बड़ी मुश्किल से ट्रैक्टर ट्रॉलियों के पीछे छुप कर अपनी जान बचाई। इसी दौरान अन्य ट्रैक्टर ट्रॉली बजरी खाली कर

- पुलिस दल ने छुपकर अपनी जान बचाई

बजरी माफिया ले भागे एवं एक ट्रैक्टर ट्राली को पुलिस ने पकडा तो पुलिस पर हमला कर हमलावरों ने बजरी ट्रैक्टर ट्रॉली को छुडाकर ले गए ।

इस मामले को लेकर खिरनी चौकी प्रभारी सुरेश चंद ने बौंली थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। बौंली सर्किल इंस्पेक्टर किशन मीणा ने बताया कि खिरनी चौकी प्रभारी सुरेश चंद द्वारा दी गई रिपोर्ट में मनराज केवट निवासी दहलोद गोविंद, अनिल व छोटा निवासी महेशरा हनुमान, कमलेश, व दिलखुश निवासी बगडी सहित अन्य 15-20 लोगों के खिलाफ पुलिस में मामला दर्ज कराया गया है।

332 कार्टन सिगरेट से भरे कन्टेनर को लूटा

पावटा, (निसं)। सिगरेटों से भरे कंटेनर के जयपुर जाने के दौरान हुई घटना के बारे में पीड़ित हिमांशु खन्ना पुत्र जय खन्ना निवासी गाजियाबाद ने बताया कि मेरी जयपुर रोड लाइंस के नाम से गाजियाबाद में ट्रांसपोर्ट कंपनी है। उसकी कंपनी का ट्रक कन्टेनर गाजियाबाद फैक्टरी से गॉडफ्राई फिलिप्स इंडिया लिमिटेड से सिगरेट के 332 कार्टन 15 फरवरी को लोड होकर जयपुर के लिये रवाना हुआ था। जिसमें कुल 332 कार्टन सिगरेट जिनकी कीमत करीब 80 लाख रूपये है।

पाथरेडी पुलिया के पास रात समय 8.10 पर एक गाड़ी में सवार कुछ लोगों ने कंटेनर के आगे गाड़ी लगाकर उसे रोककर कंटेनर चालक से कंटेनर से गाड़ी को टक्कर मारने को लेकर मारपीट कर उसके हाथ बांधकर उसकी आंखों पर पट्टी बांधकर उसको गाड़ीं मे डालकर 2 घंटे घुमाकर उसे अलवर तिराहे के पास जंगल में डाल गए व सिगरेटों से भरे कंटेनर को अपने साथ ले गए। कुछ देर बाद कंटेनर चालक ने कोशिश कर अपने आप को रिहा कर हाईवे पर आकर किसी के फोन से मालिक को फोन किया। कंटेनर व उसमें लोड सिगरेट के बॉक्स में जीपीएस लगा हुआ है। वहीं प्रागपुरा थाना पुलिस को कंटेनर में लगे जीपीएस की सहायता से कंटेनर रिलायंस पेट्रोल पंप के पास होने की सूचना पर मौके से खाली कंटेनर बरामद किया। प्रागपुरा पुलिस ने खाली कंटेनर बरामद कर थाने मे लाये।

छात्रा ने स्कूल अध्यापक के खिलाफ आरोप लगाया

पिंडवाड़ा, (निसं)। पिण्डवाड़ा पुलिस थाना क्षेत्र के झाडोली गांव के राजकीय विद्यालय की नौवीं कक्षा में अध्ययनरत छात्रा ने अपने ही स्कूल के अध्यापक पर बैड टच और मोबाइल फोन पर आपत्तिजनक चैट करने का ट्वारोप लगाया । छात्रा द्वारा मामला पिता को बताने पर छात्रा के पिता ने स्कूल के प्रिंसिपल को शिकायत करने पर आरोपी अध्यापक को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया । पिंडवाड़ा क्षेत्र सहित आस-पास के गांव के सोशियल मीडिया व्हाट्सग्रुप में वायरल होने पर आरोपी अध्यापक को पूछताछ के लिए थाने में बुलाया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार झाडोली स्कूल की नवमी क्लास में पढने वाली छात्रा 15 दिन से स्कूल में नहीं पहुंचने की जानकारी पिता को मिलने पर पिता ने स्कूल नहीं जाने के कारण पूछा तब छात्रा ने बताया कि स्कूल में एक अध्यापक बैड टच करता है। वही आपत्तिजनक मोबाइल पर चैट मैसेज भेजता है। जिस पर पिता ने 12 फरवरी को पिता स्कूल में पहुंचकर प्रिंसिपल को छात्रा ने बताई। पूरा घटनाक्रम बता कर अध्यापक की शिकायत की जानकारी मिलते ही स्कूल के प्रिंसिपल ने 14 फरवरी को आरोपी अध्यापक को छात्रा की शिकायत का हवाला देकर कारण बताओ नोटिस जारी किया। 15 फरवरी को स्कूल के प्रिंसिपल द्वारा जारी नोटिस झाडोली सहित पिंडवाडा गांव के लोगों के मोबाइल के व्हाट्सएप ग्रुप में वायरल हो गया । जिसकी जानकारी पुलिस थाना पिंडवाडा को मिलते ही पुलिस आरोपी अध्यापक को पूछताछ के लिए थाने ले आई ।

कई घंटों तक बिठाने के बाद भी इस मामले को लेकर छात्रा के परिजन रिपोर्ट लिखवाने थाने नहीं पहुंचे। वहीं समाचार लिखे जाने तक इस मामले को लेकर थाने में किसी प्रकार का मामला दर्ज नहीं हुआ है। परिजनों के रिपोर्ट के आधार पर जांच पडताल कर ही मामला दर्ज करने की कार्रवाई की जाएगी।

श्रीजी के दर्शनों को उमड़ी भीड़

डिग्गी, (निसं)। विश्व प्रसिद्ध जन-जन की आस्था का केन्द्र डिग्गीपुरी में विराजमान श्रीकल्याण जी महाराज की पूर्णिमा के अवसर पर झांकी सजाई गई। बुधवार को पूर्णिमा के अवसर पर अल सवेरे मंगला आरती से ही कल्याण धणी के दर्शनों के लिए श्रद्धालुओं के मंदिर पहुंचने का क्रम शुरू हो गया था जो कि दोपहर तक जारी रहा। दर्शनों को दूर-दूर से श्रद्धालु दर्शन करने के लिए डिग्गी पहुंचे। वहीं मंदिर ट्रस्ट के द्वारा लगाए गए बाउंसरों ने सोशल डिस्टेंश व मास्क की पालना के तहत दर्शन करवाए। पुजारी द्वारका प्रसाद शर्मा ने बताया कि आज पूर्णिमा के अवसर पर श्री कल्याण धणी की नयनाभिराम झांकी सजाई गई।

मंडावरी पंचायत में नरेगा कार्यों में हो रहा जमकर भ्रष्टाचार

ग्रामीणों ने जेसीबी मशीन का उपयोग करने की मुख्यमंत्री से शिकायत की

फागी, (निसं)। उपखंड क्षेत्र की मंडावरी ग्राम पंचायत क्षेत्र के ग्राम मंडावरा में सरकार द्वारा चलाई जा रही नरेगा के तहत खारड़ा नाड़ी खुदाई कार्यों में जमकर फर्जीवाड़ा हो रहा है।

एक श्रमिक ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया कि नरेगा श्रमिकों से कार्य स्थल पर काम नहीं करवा कर काम के एवज में पैसों की उगाही कर काम जेसीबी मशीन चलाकर खर्चा मजदूरों से वसूला जा रहा है। इस संबंध में जागरूक युवा राजू लाल चौधरी, भगवान सिंह सहित अनेक ग्रामीणों ने संयुक्त हस्ताक्षर युक्त पत्र मुख्यमंत्री को भेजकर नरेगा में हो रही धांधली को शीघ्र रुकवाने की मांग की है।

ग्रामीणों ने बताया कि जेसीबी मशीन से काम करवाने की शिकायत पंचायत प्रशासन से लेकर उपखंड प्रशासन तक कई बार की जा चुकी है, परंतु उच्च अधिकारियों ने जांच के नाम पर मात्र लीपापोती के अलावा कुछ भी नहीं किया।

युवा कार्यकर्ता राजू लाल चौधरी ने धांधली में नरेगा मेट की भी है

फागी उपखंड क्षेत्र के ग्राम मंडावरा में नरेगा कार्य स्थल पर जेसीबी मशीन से किया गया कार्य।

- जनप्रतिनिधियों एवं प्रभावशाली लोगों के परिवार जनों के लिखे जा रहे हैं फर्जी नाम
- सूचना के बाद भी नहीं हो रही प्रभावशाली लोगों के ऊपर कारवाई

मिलीभगत बताया। मेट का कहना है कि मेरे ऊपर लगाए गए आरोप निराधार है नरेगा में नंबर नहीं आने वाले लोग ही विरोध कर रहे हैं जो गलत है। इस संबंध मे ग्राम पंचायत मंडावरी के सरपंच माफिया बानो ने बताया कि पंचायत क्षेत्र में नरेगा कार्य राम भरोसे चल रहा है, ग्राम विकास अधिकारी पंचायत में 1 महीने में दो या तीन बार ही आते हैं। ग्राम विकास अधिकारी मुकलेश खटीक का कहना है कि पंचायत क्षेत्र में नरेगा कार्यों में धांधली किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। नरेगा कार्य स्थल पर मशीन चलना मेरी जानकारी में नहीं है। इसकी जांच करूंगा,अगर मशीन चलाई गई है तो उसका भुगतान किसी भी सूरत में नहीं किया जाएगा।

चैन स्नेचिंग व बाइक चोरी की 14 वारदातों का खुलासा

पुलिस थाना कलिंजरा की गिरफ्त में आरोपी।

बांसवाड़ा, (निसं)। जिला पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार मीना के निर्देशों पर विभिन्न थानों द्वारा की जा रही कार्यवाही में कई मामलों का पर्दाफाश हो रहा है वहीं अभियुक्त पुलिस गिरफ्त में आ रहे है। कलिंजरा थाने ने नौगामा कस्बे में दिनदहाडे वृद्धा के गले से सोने की चैन लूटने की कोशिश करने वाले दो जनों को गिरफ्तार कर पूछताछ में चैन स्नेचिंग एवं मोटर साईकिल चोरी के 14 मामलों का राजफाश किया है।

थानाधिकारी रामरुप मीना ने बताया कि जिला पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कानसिंह भाटी एवं वृत्ताधिकारी बागीदौरा रामगोपाल बसवाल एवं उनके स्वयं के निर्देशन में थाना स्तर पर टीम गठित की गई। इस टीम में हैड कांस्टेबल चन्दूलाल, सूर्यसिंह, कांस्टेबल लोकेन्द्र, विपुल कुमार, रमेशचंद्र को शामिल किया गया। टीम ने अनुसंधान शुरु करते हुए प्रार्थी व गवाहों के बयान लेकर घटना स्थल का निरीक्षण किया एवं संदिग्ध मगनलाल डामोर निवासी भतार एवं नितेश कलासुआ निवासी निचला पातेला थाना अरथूना को थाने लाकर पूछताछ की तो इन लोगों ने लक्ष्मी के गले से सोने की चैन लूटने के प्रयासों को स्वीकार किया। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर बागीदौरा कोर्ट से पुलिस रिमांड लिया।

राजस्थान सरकार वन विभाग

क्रमांक: प.1 (64) वन/2021 जयपुर, दिनांक 9.2.2022

प्रधान मुख्य वन संरक्षक (HoFF)
राजस्थान, जयपुर

विषय: Diversion of 0.02 ha. of forest land in Favour of Jio Digital Fiber Pvt. Ltd. For Permission for underground OFC Laying work in forest area in Ajmer City along road from Lat/Long point 26.42448°/7461972° to 26.42630°/74.62239° for total length of 0.444KM and Forest area-0.0200 ha.With in ROW Limits of the road in Ajmer District, Rajasthan (FP/RJ/OFC/47299/2020)

संदर्भ: आपका पत्रांक एफ 14 (OFC)2020/एफसीए/प्रमुवस महादय, /2437 दि. 24.08.2021

उपरोक्त विषयान्तर्गत संदर्भित प्रस्ताव में Jio Digital Fiber Private Limited (प्रयोक्ता अभिकरण) द्वारा वन संरक्षण अधिनियम 1980 के अन्तर्गत सामान्य स्वीकृति के तहत धारा-2 में OFC Cable Line हेतु 0.02 हेक्ट.वन भूमि प्रत्यावर्तन की स्वीकृति चाही गई है।नोडल अधिकारी वन संरक्षण अधिनियम द्वारा प्रस्तुत किये गये प्रस्ताव पर विचारोपरांत प्रस्ताव पर वन संरक्षक अधिनियम 1980 के अन्तर्गत धारा-2 में सामान्य स्वीकृति बाबत जारी दिशा-निर्देशों एवं नवीन निर्देश दिनांक 27.07.2020 के परिपेक्ष्य में Diversion of 0.02 ha. of forest land in Favour of JIO DIGITAL FIBER PVT. LTD. For Permission for underground OFC Laying work in forest area in Ajmer City along road from Lat/Long point 26.42448°/7461972° to 26.42630°/74.62239° for total length of 0.444KM and Forest area- 0.0200 ha.With in ROW Limits of the road in Ajmer District, Rajasthan की सैद्धांतिक स्वीकृति बिना वृक्षों के पातनसहित निम्न शर्तों के अध्याधीन प्रदान करती है:-

1. वन भूमि की वैधानिक स्थिति में कोई परिवर्तन नही होगा।
2. प्रत्यावर्तित वन भूमि का उपयोग किसी अन्य प्रयोजन के लिये नहीं किया जावेगा।
3. याचक विभाग द्वारा परियोजना के निर्माण एवं रख रखाव के दौरान आस-पास के क्षेत्र की वनस्पतियों एवं जीव जन्तुओं को किसी प्रकार की क्षति नही पहुचाई जावेगी एवं उनके संरक्षण हेतु समस्त उपाय किये जावेगे।
4. प्रत्यावर्तित क्षेत्र में रोपित किये जाने वाले वृक्षों को वन विभाग की बिना पूर्वानुमति के नही काटा जावे। उक्त क्षेत्र में रोपित पेड परिपक्व होने पर, वन विभाग के होगे।
5. प्रयोक्ता अभिकरण द्वारा प्रस्तावित स्थल/वन क्षेत्र के आस-पास मजदुरो/स्टाफ के लिए किसी भी प्रकार का कैम्प नही लगाया जावेगा।
6. प्रयोक्ता अभिकरण द्वारा निर्माण कार्य के दौरान स्थल पर कार्यरत मजदूरो/ स्टाफ को रसोई गैस/केरोसिन तेल आपूर्ति की जावेगी, ताकि निकटवर्ती वनों को क्षति न हो।
7. प्रयोक्ता अभिकरण द्वारा प्रस्तावित वनभूमि के अतिरिक्त आस-पास की वनभूमि से/ पर निर्माण कार्य के दौरान मिट्टी/ पत्थर काटने या भरने का कार्य नहीं किया जावेगा।
8. प्रयोक्ता अभिकरण वर्तमान एवं भविष्य में योजना पर लागू सभी नियम, कानून तथा दिशा निर्देशो का पालन करेगा।
9. प्रयोक्ता अभिकरण, सैद्धान्तिक स्वीकृति की पालना के साथ एफ.आर.ए. सर्टिफिकेट प्रस्तुत करावेगा। तदोपरान्त ही विधिवत स्वीकृति पर विचार किया जावेगा।
10. राज्य सरकार द्वारा दी गई इस अनुमति का प्रबोधन संबंधित क्षेत्रीय कार्यालय, वन एवं पर्यावरण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा किया जा सकेगा।
11. भारत सरकार के पत्रांक 7-23/2012/एफसी दि. 24.07.2013 से माननीय ग्रीन ट्रिब्यूनल द्वारा दिनांक 7.11.2012 को पारित निर्णय की पालना प्रकरण में सुनिश्चित की जावे तथा प्रकरण में जारी स्वीकृति को यूजर एजेंसी हिन्दी एवं अंग्रेजी में प्रकाशित होने वाले एक-एक समाचार पत्र में अक्षरश: प्रकाशित करावें एवं जारी स्वीकृति की प्रतियां स्थानीय निकाय, पंचायत एवं नगर पालिका के राजकीय अधिकारीयों को स्वीकृति प्राप्ति के 30 दिन के अन्दर उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

भवदीय,
(बी.प्रवीण) शासन सचिव

यदि प्रदर्शन फ्लॉप शॉ था तो फिर पुलिस की लाठियां और पानी की बौछारें क्यों चलाई : डॉ. सतीश पूनिया

'युवाओं की आवाज उठाते समय उन्हें जो धक्का दिया गया, वर्ष 2023 में कांग्रेस की विदाई का कारण बनेगा'

जयपुर। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डा सतीश पूनियां ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और कांग्रेस नेताओं के पलटवार पर कहा कि यदि यह प्रदर्शन फ्लॉप शो था तो फिर पुलिस की लाठियां और पानी की बौछारें क्यों चलाई गईं।

पूनिया ने कहा कि लोकतंत्र में मुख्यमंत्री की यदि यही सोच है तो राजस्थान में कांग्रेस को समाप्त करने के लिए गहलोत पर्याप्त हैं। पूनिया इस विरोध-प्रदर्शन में घायल हो गए थे। उन्होंने प्रदर्शन का वीडियो ट्वीट कर कहा कि यही धक्का 2023 में कांग्रेस की विदाई का कारण बनेगा। उन्होंने कहा कि अंतिम न्याय तक प्रदेश भाजपा लड़ाई जारी रहेगी और रीट मामले की सीबीआई जांच को लेकर हम लोग अंतिम दम तक लड़ेंगे, ना रुकने वाले हैं और ना झुकने वाले हैं।

भाजपा के प्रदेश संगठन महामंत्री चन्द्रशेखर तथा भाजपा के कई विधायक एवं अन्य पार्टी नेताओं ने डा.पूनिया से सुबह मिलकर उनकी कुशलक्षेम पूछी। डॉ. पूनिया अपने जयपुर स्थित जनसंवाद केन्द्र पर किसानों और युवाओं से मुलाकात कर जनसुनवाई की और प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से उनकी कुशलक्षेम पूछने पहुंचे पार्टी कार्यकार्यकर्ताओं से संवाद भी किया। इस अवसर पर डॉ. पूनिया ने कहा आज निवास पर पधार कर आप लोग जो मेरा हौसला अफजाई कर रहे हो निश्चित ही आपका यह आशीर्वाद मुझे प्रदेश के नौजवानों के हितों के लिए लड़ने की नई प्रेरणा देगा। उधर केन्द्रीय कृषि राज्य मंत्री कैलाश चौधरी ने भी सोशल मीडिया के जरिए आरोप लगाते हुए कहा कि डॉ. पूनिया को सरकार की शह पर काम कर रहे पुलिसकर्मियों द्वारा इस तरह गिराना दुर्भाग्यपूर्ण है। कांग्रेस सरकार की यह तानाशाही और ओछी मानसिकता कांग्रेस के पतन का कारण बनेगी। पूनियां ने कहा कि 24 घंटे के कॉल पर बाड़मेर से भाजपा का कार्यकर्ता आकर जयपुर में सरकार की छाती पर खड़ा हो गया, ये अपने आप में बड़ी बात है जबकि प्रशासन ने सीकर रोड, अजमेर रोड सहित अलग-अलग जगह भाजपा कार्यकर्ताओं के वाहनों को आने से रोका। पूनिया ने कहा कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा था कि ठठेरे की बिल्ली खुड़के से नहीं डरती, तो फिर यह सरकार इस प्रकरण की सीबीआई जांच से आखिर क्यों डर रही है। पूनिया ने कहा कि पहले मुख्यमंत्री पाप करते हैं, फिर उसको छुपाने की कोशिश करते हैं, लेकिन अब पाप का घड़ा भर गया है।

रीट पेपर लीक मामले में हुए भाजपा के आंदोलन में प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया के पैर में चोट लगने के बाद वे घर में व्हील चेयर पर आगंतुकों से भेंट कर रहे हैं। बुधवार को कई लोग उनसे मिलने जनसंवाद केंद्र में पहुंचे।

एनएचएआई कंसल्टेंट एजेंसी के एडवाइजर की हत्या के मामले में आरोप तय

जयपुर, (का.सं.)। अतिरिक्त सत्र न्यायालय क्रम-9 महानगर द्वितीय ने वैशाली नगर में 26 अगस्त 2021 को हुए एनएचएआई कंसल्टेंट कंपनी के एडवाइजर आरके चावला हत्याकांड में छह आरोपियों के खिलाफ हत्या और आपराधिक षडयंत्र के तहत आरोप तय किए हैं। आरोपियों में ठेका कंपनी का मालिक करणदीप श्योराण, नवीन बिसला, विकास सिंह, अमित नेहरा, शूटर धर्मेन्द्र व राम दिया शामिल हैं। वहीं मामले में दो अन्य आरोपी प्रदीप गुर्जर व शेखर मिश्रा फरार हैं। पुलिस ने इस मामले में नवंबर 2021 में छह आरोपियों के खिलाफ चालान पेश करते हुए फरार दोनों आरोपियों के खिलाफ जांच लंबित रखी थी।

दसवीं के समकक्ष अदीब डिग्री धारकों को एएनएम भर्ती में शामिल करने के आदेश

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने जामिया अलीगढ़ से उर्दू में दसवीं के समकक्ष अदीब डिग्री धारक अभ्यर्थियों को एएनएम भर्ती में शामिल करते हुए सभी सेवा परिलाभ देने के लिए कहा है। जस्टिस महेन्द्र गोयल की एकलपीठ ने यह आदेश सुनीता व अन्य की याचिकाओं पर दिए।

याचिका में अधिवक्ता रामप्रताप सैनी ने अदालत को बताया कि फिरदौस तरन्नुम के मामले में कोर्ट जामिया से अदीब को दसवीं के समकक्ष माना है। इसके बावजूद एएनएम भर्ती, 2013 और 2018 में उनकी अंक तालिका को मान्य करार नहीं देकर एएनएम पद पर नियुक्ति से इंकार किया गया है। जबकि पूर्व की अन्य भर्तियों में अदीब की डिग्री को भी माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की दसवीं के समकक्ष मानते हुए नियुक्तियां दी गई हैं। इसलिए भर्ती में तय योग्यता व मेरिट में आने वाले अभ्यर्थियों को नियमानुसार एएनएम पद पर नियुक्ति देते हुए सभी सेवा परिलाभ दिए जाने चाहिए।

इस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने याचिकाकर्ताओं को एएनएम भर्ती में शामिल कर सेवा परिलाभ देने के आदेश दिए हैं।

राजे ने एक बार फिर बनाई संगठन के प्रदर्शन से दूरी

जयपुर। रीट पेपर लीक मामले की सीबीआई जांच की मांग को लेकर जयपुर में भाजपा के विधानसभा घेराव आंदोलन व प्रदर्शन में राष्ट्रीय महामंत्री व प्रदेश प्रभारी अरुण सिंह, प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया, नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया, उपनेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़, वरिष्ठ नेता घनश्याम तिवाड़ी, वरिष्ठ सांसद राजेन्द्र गहलोत, किरोड़ीलाल मीणा सहित पार्टी के लगभग 67 विधायक, 15 से अधिक सांसद, प्रदेश पदाधिकारी, सभी मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष सहित जिलों के पदाधिकारी मौजूद रहे। वही पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे व उनके समर्थक विधायक भी संगठन के प्रदर्शन से गायब रहे। पहले भी कई बार राजे संगठन को बैठकों व प्रदर्शनो से दूरी बनाई थी। सूत्रों की माने तो पहले भी संगठन से दूरी बनाने के मामले में पूर्व मुख्यमंत्री राजे को तलब भी कर चुके हैं।

राजस्थान के लाखों युवाओं के लिये रीट पेपर लीक की सीबीआई जांच को लेकर भाजपा के इस आंदोलन में जहां पूरी पार्टी एकजुट दिखी तो पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, इनके समर्थक विधायक कालीचरण सराफ, प्रतापसिंह सिंघवी, कैलाश मेघवाल का प्रदर्शन में शामिल नहीं होना सियासी गलियारों में चर्चा का विषय बना हुआ है। भाजपा सूत्रों ने कहा कि मंगलवार को हुए विरोध प्रदर्शन में शामिल नहीं हो सके केन्द्रीय मंत्री, सांसद या तो चुनावी राज्यों में प्रचार कर रहे हैं या फिर उनकी तबीयत खराब है, इस विशाल विरोध प्रदर्शन में राजे सहित चार अन्य वरिष्ठ विधायकों की अनुपस्थिति राजनीतिक गलियारों में भी चर्चा का विषय बन गई है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक वसुंधरा राजे सहित इन चार विधायकों ने भाजपा के प्रदर्शन में शामिल नहीं होने की सूचना भी पार्टी को नहीं दी। अब केन्द्रीय आलाकमान जल्द ही इस बारे में प्रदेश नेतृत्व से रिपोर्ट मांग सकता है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां के नेतृत्व में भाजपा के लाखों कार्यकर्ताओं ने जयपुर में रीट पेपर लीक मामले में सीबीआई जांच की मांग को लेकर विधानसभा घेराव किया। प्रदर्शन में सतीश पूनियां, अरुण सिंह, गुलाबचंद कटारिया, राजेंद्र राठौड़ सहित 67 विधायकों, 15 से अधिक सांसदों, प्रदेश पदाधिकारियों व हजारों कार्यकर्ताओं ने एक साथ गिरफ्तारी दी।

बता दें कि संघ पृष्ठभूमि के सतीश पूनियों के हाथों में प्रदेश भाजपा की कमान सौंपने के बाद से ही वसुंधरा राजे व उनके समर्थक तीन विधायक पार्टी की अधिकांश बैठकों और कार्यक्रमों से दूरी बनाती जा रही हैं।

- **अरुण सिंह, सतीश पूनिया, गुलाबचंद कटारिया, राजेंद्र राठौड़ सहित 67 विधायक और 15 से अधिक सांसद एक साथ उठा रहे थे रीट मुद्दे की आवाज, वसुंधरा और उनके तीन समर्थक विधायकों ने भाजपा के आंदोलन से बनाई दूरी**

प्रदेश के सभी कारागृहों में कॉनफैड द्वारा ''बंदी कैन्टीन'' की होगी शुरूआत

जयपुर, (का.सं.)। सहकारिता मंत्री उदयलाल आंजना ने कहा कि सहकारिता एवं जेल प्रशासन के द्वारा कैदियों के लिए बंदी कैन्टीन की शुरूआत से बंदियान के लिए खाद्य सामग्री, कन्फैक्शनरी, कॉस्मेटिक्स, टॉयलेट्री के अतिरिक्त नोटबुक, पेंसिल एवं दैनिक उपयोग में आने वाली लगभग 43 से 58 प्रकार की सामग्री उपलब्ध होगी। कैन्टीन की शुरूआत से पारदर्शिता के साथ बन्दियों के लिए सही सामग्री उपलब्ध कराई जायेगी।

आंजना बुधवार को केन्द्रीय कारागार जयपुर में कॉनफैड द्वारा बंदियों के लिए संचालित की जाने वाली बंदी कैन्टीन के उद्घाटन के साथ सीकर, श्रीगंगानगर, भीलवाड़ा, धौलपुर, कोटा, चित्तौड़गढ़, भरतपुर, दौसा एवं कोटपूतली में भी बंदी कैन्टीन के वर्चुअल उद्घाटन समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 6 माह उपरान्त इसकी समीक्षा की जायेगी और सुझाव भी आमंत्रित किये जायेंगे ताकि कैदियों को कैन्टीन के माध्यम से और बेहतर सुविधाऐं दी जा सकें। उन्होंने कहा इस मॉडल को राज्य के सभी कारागृहों में शुरू किया जायेगा। इस अवसर पर सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता तथा कारागार मंत्री टीकाराम जूली ने बंदियों की मांग पर कैन्टीन से प्रतिमाह 2500 रूपये की सीमा तक क्रय की जाने वाली सामग्री की सीमा को 3500 रूपए बढ़ाने की घोषणा की।

रजिस्ट्रार सहकारिता मुक्तानंद अग्रवाल ने कहा कि सहकारी उपभोक्ता भंडारों द्वारा उचित मूल्य पर गुणवत्ता पूर्ण सामग्री उपलब्ध कराई जाती है। इस कार्य से संस्था को व्यापार करने में भी सहूलियत होगी तथा बंदियों को नियमित रूप से अच्छी सामग्री भी मिल पाएगी। जेल प्रशासन एवं कॉनफैड के लगातार प्रयासों से यह संभव हो पाया है। प्रबंध निदेशक कॉनफैड वी.के. वर्मा ने बताया कि बंदी कैन्टीन में जेल में बने वार्ड के अनुसार निर्धारित दिन को बंदी बॉयोमैट्रिक सत्यापन से अपना सामान क्रय कर सकेगा।

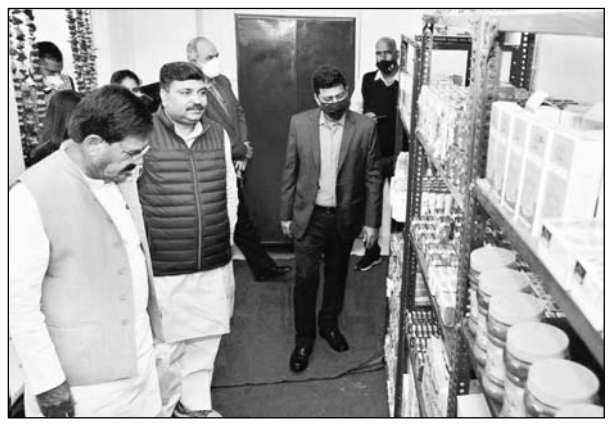

सहकारिता मंत्री उदयलाल आंजना और कारागार मंत्री टीकाराम जूल ने जयपुर में शुरू हुई बंदी कैन्टीन का निरीक्षण किया।

राज्य सरकार की फ्लेगशीप योजनाओं का अधिकाधिक लाभ पहुंचाएं : महेश शर्मा

जयपुर, (का.सं.)। नेहरू युवा केन्द्र द्वारा आज यहां एस.एस. जैन सुबोध पी.जी. कॉलेज में जिला युवा सम्मेलन आयोजित किया गया।

सम्मेलन में रोजगार विभाग के पूर्व निदेशक महेश शर्मा ने कौशल नियोजन एवं उद्यमिता विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी। शर्मा ने मुख्यमंत्री युवा सम्बल योजना की भी जानकारी दी।

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के उपनिदेशक श्रवण कुमार मेहरड़ा ने राज्य सरकार की फ्लेगशीप योजनाओं मुख्यमंत्री वृद्धजन सम्मान पेंशन योजना, मुख्यमंत्री विशेष योग्यजन सम्मान पेंशन योजना, मुख्यमंत्री कन्यादान योजना, पालनहार योजना, कालीबाई भील मेघावी छात्रा स्कूटी योजना, देवनारायण छात्रा स्कूटी वितरण एवं प्रोत्साहन राशि योजना, मुख्यमंत्री नि:शुल्क दवा योजना, नि:शुल्क जाँच योजना, लघु उद्योग प्रोत्साहन योजना, राजस्थान निवेश प्रोत्साहन, इन्दिरा रसोई योजना, मुख्यमंत्री चिरंजीवी बीमा योजना जैसी योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी तथा इन योजनाओं से आम लोगों को लाभान्वित किये जाने के लिए युवाओं का आव्हान किया। इस अवसर पर नेहरू युवा केन्द्र के उपनिदेशक महेन्द्र सिंह सिसोदिया ने नेहरू युवा केन्द्र की गतिविधियों की विस्तार से जानकारी दी।

भारत आसानी से 6 विकेट से जीता, सीरीज में मिली 1-0 की बढ़त

स्कोर बोर्ड

वेस्टइंडीज	रन	गेंद	4	6
ब्रैंडन किंग का सूर्यकुमार बो भुवनेश्वर	04	5	1	0
काइल मेयर्स पगबाधा बो चहल	31	24	7	0
निकोलस पूरन का कोहली बो हर्षल	61	43	4	5
रोस्टन चेज पगबाधा बो बिश्नोई	04	10	0	0
रोवमैन पॉवेल का वेंकटेश बो बिश्नोई	02	3	0	0
अकील हुसैन का एंड बो चहर	10	12	0	1
कीरोन पोलार्ड नाबाद	24	19	2	1
ओडिन स्मिथ का रोहित बो हर्षल	04	4	0	0
अतिरिक्त :	17			
कुल : 20 ओवर में सात विकेट 157				
विकेट पतन : 1-4, 2-51, 3-72, 4-74, 5-90, 6-135, 7-157				
गेंदबाजी : भुवनेश्वर कुमार 4-0-31-1, दीपक चहर 3-0-28-1, हर्षल पटेल 4-0-37-2, युजवेंद्र चहल 4-0-34-1, रवि बिश्नोई 4-0-17-2, वेंकटेश अय्यर 1-0-4-0				
भारत	रन	गेंद	4	6
रोहित का स्मिथ बो चेस	40	19	4	3
ईशान का एलन बो चेस	35	42	4	0
विराट का पोलार्ड बो एलन	17	13	1	0
पंत का स्मिथ बो कोटरेल	8	8	0	0
सूर्यकुमार नाबाद	34	18	5	1
वेंकटेश अय्यर नाबाद	24	13	2	1
अतिरिक्त :	4			
कुल : 18.5 ओवर में 4 विकेट पर 162 रन				
विकेट पतन : 1-4, 2-93, 3-95, 4-114				
गेंदबाजी : कोटरेल 4-0-35-1, शेफर्ड 3-0-24-0, स्मिथ 2-0-31-0, अकीला 4-0-34-0, चेस 4-0-14-2, एलन 1.5-0-23-1				

कोलकाता, 16 फरवरी। पदार्पण मैच खेल रहे रवि बिश्नोई (17 रन पर दो विकेट) की अगुवाई में गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन और कप्तान रोहित शर्मा (40), आईपीएल के सबसे महंगे खिलाड़ी ईशान किशन (35), सूर्यकुमार यादव (नाबाद 34) और वेंकटेश अय्यर (नाबाद 24) की बेहतरीन पारियों की बदौलत भारत ने वेस्ट इंडीज को बुधवार को आसानी से छह विकेट से हराकर तीन मैचों की टी20 सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली।

वेस्ट इंडीज ने पहले खेलते हुए विकेटकीपर बल्लेबाज निकोलस पूरन के विस्फोटक अर्धशतक (61)की बदौलत पहले टी-20 क्रिकेट मैच में सात विकेट पर 157 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाया जबकि भारत ने 18.5 ओवर में चार विकेट पर 162 रन बनाकर मैच जीत लिया।

रोहित और ईशान ने पहले विकेट के लिए 7.3 ओवर में 64 रन की विस्फोटक ओपनिंग साझेदारी की। रोहित ने मात्र 19 गेंदों में चार चौकों और तीन छक्कों की मदद से 40 रन की तूफानी पारी खेली। ईशान 42 गेंदों में 35 रन बनाकर आउट हुए जबकि विराट कोहली 13 गेंदों में 17 रन बनाकर पवेलियन लौटे। ऋषभ पंत आठ रन बनाकर टीम के 114 के स्कोर पर आउट हुए। चार विकेट 114 रन पर गिरने के बाद सूर्य और वेंकटेश ने पांचवें विकेट के लिए 48 रन की अविजित साझेदारी कर भारत को जीत की मंजिल पर पहुंचा दिया। सूर्य ने 18 गेंदों की अपनी पारी में पांच चौके और एक छक्का लगाया जबकि वेंकटेश ने 13 गेंदों में दो चौके और मैच विजयी छक्का लगाया। रोहित और ईशान ने पहले विकेट के लिए 7.3 ओवर में 64 रन की विस्फोटक ओपनिंग साझेदारी की। रोहित ने मात्र 19 गेंदों में चार चौकों और तीन छक्कों की मदद से 40 रन की तूफानी पारी खेली। ईशान 42 गेंदों में 35 रन बनाकर आउट हुए जबकि विराट कोहली 13 गेंदों में 17 रन बनाकर पवेलियन लौटे।

राहुल टी-20 रैंकिंग में चौथे स्थान पर बरकरार

दुबई, 16 फरवरी। भारतीय सफेद क्रिकेट टीम के उप कप्तान लोकेश राहुल बुधवार को जारी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की ताजा टी-20 बल्लेबाजी रैंकिंग में चौथे स्थान पर बरकरार हैं। राहुल 729 रेटिंग अंकों के साथ पाकिस्तान के मोहम्मद रिजवान (798) और दक्षिण अफ्रीका के एडन मारक्रम (796) से पीछे हैं, जो क्रमश: दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं।

हिरासत के दौरान खुद को शक्तिहीन महसूस किया : नोवाक जोकोविच

नयी दिल्ली, 16 फरवरी। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी और 20 बार के ठौंड स्लैम विजेता सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने खुलासा किया है कि उन्होंने पिछले महीने ऑस्ट्रेलिया में हिरासत के दौरान खुद को शक्तिहीन महसूस किया था।

उल्लेखनीय है कि जोकोविच द्वारा टीकाकरण की स्थिति घोषित न किए जाने चलते स्ट्रेलिया के आव्रजन मंत्री एलेक्स हॉक ने जोकोविच का वीजा रद्द कर दिया था। इसके चलते उन्हें ऑस्ट्रेलिया में प्रवेश से वंचित कर दिया गया था और आव्रजन बंदी में सात दिन बिताए थे। इतना ही नहीं वह ऑस्ट्रेलियन ओपन में भाग नहीं ले सके थे।

एबीसी न्यूज ने मंगलवार को बीबीसी के साथ एक साक्षात्कार में जोकोविच के हवाले से कहा, यकीनन यह सुखद नहीं था। मैं यहां बैठकर उस डिटेंशन सेंटर की परिस्थितियों के बारे में शिकायत नहीं करना चाहता। मैं सात दिन वहां रहा। हां, इस दौरान मुझे शक्तिहीन महसूस हुआ। जब मैं वहां (ऑस्ट्रेलिया) पहुंचा तो मुझे तीन-चार घंटे अपने फोन का उपयोग करने की अनुमति नहीं थी।

सेमीफाइनल की उम्मीदों को पुख्ता करने के लिए भिड़ेंगे जमशेदपुर और मुंबई सिटी

बैम्बोलिन, 16 फरवरी। हीरो इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2021-22 में फिर से निर्धारित किए गए लीग मुकाबले में मौजूदा चैम्पियन मुंबई सिटी एफसी और जमशेदपुर एफसी भिड़ेंगे, तो दोनों टीमों का लक्ष्य गुरुवार को बैम्बोलिन स्थित एथलेटिक स्टेडियम में जीत हासिल करके सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की करना होगा।

मुंबई 15 मैचों से 25 अंक लेकर तालिका में पांचवें स्थान पर है। जमशेदपुर के भी उसके बराबर अंक हैं लेकिन उसके पास एक मैच अतिरिक्त है और वो बेहतर गोल औसत के आधार पर चौथे स्थान पर है। आगामी मैच में जीत दोनों टीमों को तीसरे स्थान पर ले जाएगी और लीग लीडर हैदराबाद एफसी और दूसरे स्थान पर मौजूद एटीके मोहन बागान से अंतर कम करने में मदद करेगी।

मुंबई ने लगातार दो जीत से अपने खराब दौर को पीछे छोड़ दिया है। ओड़िसा एफसी के खिलाफ 4-1 से जीत में विंगर बिपिन सिंह का चमकना उसके लिए अच्छी खबर है। बिपिन ने उस मैच में दो गोल किए थे और एक में सहायता प्रदान की थी। इस तरह उनकी तीन गोल में भूमिका रही, जो कि हीरो आईएसएल 2021-22 के एक मैच में उनका सबसे बड़ा योगदान है।

मुंबई के कोच डेस बकिंघम ने कहा, हम चार मैचों से अपराजित रहे हैं। हम सीजन के मध्यांतर में वापसी कर रहे हैं और उस स्थिति के आसपास आ रहे हैं जहां हम रहना चाहते थे, जो शीर्ष चार है। हम बस अपने खेल में तेज रहना चाहते हैं। इस गति को जारी रखना महत्वपूर्ण है।" जमशेदपुर एफसी के बारे में उन्होंने कहा, वो हमारे लिए एक और कठिन चुनौती होगी। हम सिर्फ खुद पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

दूसरी ओर, केरला ब्लास्टर्स पर 3-0 की जीत से पता चलता है कि जमशेदपुर भी अच्छे स्कोरिंग टच में है। डैनियल चीमा चुक्वु इस टीम में शामिल होने के बाद से लगातार गोल कर रहे हैं। नाईजीरियाई स्ट्राइकर ने जमशेदपुर के लिए खेले तीन मैचों में तीन गोल किए हैं। जमशेदपुर सेट-पीस (कॉर्नर किक और फ्री- किक) में स्कोर करने के मामले में मजबूत और इस सीजन में सबसे ज्यादा आठ गोल कर चुकी है, जो किसी भी अन्य क्लब से ज्यादा है। ठोग स्टीवर्ट ने केरला के खिलाफ डबल स्कोर करके पांच मैचों से गोल से दूरी खत्म की।

केबीएल सीजन 8 के प्लेऑफ और फाइनल का कार्यक्रम जारी

बेंगलुरू, 16 फरवरी। वीवो प्रो कबड्डी लीग के आयोजक मशाल स्पोर्ट्स ने मौजूदा सीजन 8 के प्लेऑफ और फाइनल का कार्यक्रम जारी कर दिया है। दैनिक आधार पर सफलतापूर्वक मैच आयोजित करने और 100 से अधिक मैचों के पूरा होने के बाद प्रो कब्बडी लीग का 8वां सीजन सफल समापन की ओर अठासर है।

बीसीसीआई ने कोविड रिजर्व के रूप में चुने गए खिलाड़ियों को मैच वाले दिन होटल में रुकने को कहा

मुंबई, 16 फरवरी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने रणजी ट्रॉफी टूर्नामेंट में भाग ले रही सभी 38 टीमों को बुधवार को एक ई-मेल में यह सुनिश्चित करने के लिए कहा है कि मैच के दिनों में कोरोना रिजर्व के तौर पर चुने गए खिलाड़ी टीम होटल में रहें। बीसीसीआई के संचालन टीम के सदस्य अमित सिद्धेश्वर ने ई-मेल में लिखा, सभी भाग लेने वाली टीमों से अनुरोध है कि वे निम्नलिखित दिशा-निर्देशों पर ध्यान दें। 20 से अधिक खिलाड़ियों और 10 से अधिक सपोर्ट स्टाफ के कर्मचारियों को सभी मैचों वाले दिन ड्रेसिंग रूम में रहने की अनुमति नहीं है। टीमों को दो अतिरिक्त खिलाड़ियों को कोविड रिजर्व के रूप में साथ ले जाने की अनुमति है, जो टीम के अभ्यास सत्र में भाग ले सकते हैं, लेकिन वे सभी मैचों के दिनों में टीम होटल में रहेंगे।

कोलकाता नाइट राइडर्स ने श्रेयस अय्यर को बनाया नया कप्तान

नयी दिल्ली, 16 फरवरी। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने आईपीएल के आगामी सीज़न के लिए श्रेयस अय्यर को अपना नया कप्तान बनाया है। अय्यर पिछले सप्ताहांत की नीलामी में केकेआर की आईपीएल में सबसे महंगी ख़रीद थे, जिन्हें 12.25 करोड़ रुपये में ख़रीदा गया था।

नाइट राइडर्स के सीईओ और एमडी वेंकी मैसूर ने एक बयान में कहा, हम सबसे पहले आईपीएल नीलामी में श्रेयस के लिए सफलतापूर्वक बोली लगाने और टीम केकेआर का नेतृत्व करने का अवसर पाकर खुश हैं। उन्होंने उच्चतम स्तर पर एक गुणवत्ता पूर्ण बल्लेबाज़ के रूप में सभी को प्रभावित किया है और हमें विश्वास है कि वह टीम केकेआर के नेतृत्वकर्ता के रूप में उत्कृष्ट प्रदर्शन करेंगे। अय्यर को बतौर कप्तान आईपीएल में काफ़ी सफलता मिली है।

उन्होंने 2019 (एलिमिनेटर) और 2020 (फ़ाइनल) में लगातार वर्षों में प्लेऑफ़ में अपनी पिछली फ्रैंचाइज़ी दिल्ली कैपिटल्स का नेतृत्व किया। उन्होंने पिछले साल की शुरुआत में इंग्लैंड के ख़िलाफ़ घरेलू श्रृंखला के दौरान कंधे की चोट से पहले 2018 से 2021 तक कैपिटल्स का नेतृत्व किया था, लेकिन चोट के कारण वह आईपीएल 2021 से बाहर हो गए। भारत में बढ़ते कोविड-19 मामलों के कारण आईपीएल को मई में स्थगित कर दिया गया था, और जब अय्यर ने संयुक्त अरब अमीरात में दूसरे चरण के लिए टीम में वापसी की तो कैपिटल्स के प्रबंधन ने ऋषभ पंत को कप्तान के रूप में जारी रखने का फ़ैसला किया। जिन्होंने मई में अय्यर से पदभार संभाला था।

अय्यर ने कहा, केकेआर जैसी प्रतिष्ठित टीम का नेतृत्व करने का मौक़ा पाकर मैं बेहद सम्मानित महसूस कर रहा हूं। आईपीएल एक टूर्नामेंट के रूप में विभिन्न देशों और संस्कृतियों के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को एक साथ लाता है और मैं बहुत प्रतिभाशाली व्यक्तियों के इस महान समूह का नेतृत्व करने के लिए उत्सुक हूं। अय्यर टीम प्रबंधन में मुख्य कोच ब्रैंडन मैकुलम के साथ जुड़ेंगे।

मैकुलम ने कहा, मैं श्रेयस अय्यर के रूप में भारत के सबसे उज्ज्वल भविष्य के नेतृत्वकर्ताओं में से एक को केकेआर की बागडोर संभालते देखने के लिए बहुत उत्साहित हूं। मैंने श्रेयस के खेल और उनकी कप्तानी के कौशल का दूर से ही लुत्फ उठाया है। केकेआर में हम जिस तरह की सफलता और खेल चाहते हैं, उसे आगे बढ़ाने के लिए अब मैं बारीक़ी से उनके साथ काम करने के लिए उत्सुक हूं। अय्यर ने कहा कि जब भारतीय क्रिकेट की बात आती है, तो कोलकाता और ईडन गार्डन का इतिहास बेहद समृद्ध रहा है।

एक टीम के रूप में मैं इस समृद्ध इतिहास में योगदान देने और अपने प्रशंसकों को गर्व करवाने के लिए उत्सुक हूं। ! कोरबो लोरबो जीतबो!

साई ने ओलंपिक की तैयारी के लिए 398 कोच नियुक्त किए

नयी दिल्ली, 16 फरवरी। भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) ने भारत की कोचिंग रीढ़ को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए बुधवार को 21 खेलों में विभिन्न स्तरों पर 398 कोचों की नियुक्तियां की हैं।

इनमें से कई पूर्व अंतरराष्ट्रीय एथलीट और अर्जुन पुरस्कार विजेता हैं, जिन्होंने विश्व चैंपियनशिप और ओलंपिक जैसी विशिष्ट प्रतियोगिताओं में प्रतिस्पर्धा की है या पदक जीते हैं। कुल 398 कोचों में से 101 कोच पीएसयू और अन्य सरकारी निकायों से प्रतिनियुक्ति पर कोच की भूमिका में शामिल हो रहे हैं।

इतनी बड़ी संख्या में कोचों की भर्तियां खेल मंत्रालय द्वारा एथलीटों को 360 डिठी सहायता प्रदान करने के प्रयास के मद्देनजर की गईं हैं, क्योंकि वे 2024 और 2028 ओलंपिक सहित महत्वपूर्ण राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं की तैयारी कर रहे हैं। केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने इस बारे में कहा, मुझे खुशी है कि उच्चतम अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में भाग लेने वाले और पदक जीतने वाले कई पूर्व एथलीटों ने इन पदों के लिए आवेदन किया।

मूलचंद पारीक जैसे स्वतंत्रता सेनानियों के आदर्शों का अनुसरण करें : बी. डी. कल्ला

बीकानेर, (कासं)। स्वतंत्रता सेनानी स्व. मूलचंद पारीक की 14 वीं पुण्यतिथि के अवसर पर बुधवार को जस्सूसर गेट के अंदर स्थित प्रतिमा स्थल पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस दौरान शिक्षा मंत्री डॉ. बी. डी. कल्ला ने कहा कि स्व. मूलचंद पारीक सादा जीवन उच्च विचार के प्रतीक थे। उन्होंने प्रजामंडल से जुड़कर देश के स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण योगदान दिया तथा देश को तिहरी गुलामी से मुक्त कराया। वे खादी और सहकारिता आंदोलन से जुड़े रहे तथा हाथ से काम करने वालों को रोजगार प्रदान कर संबल दिया। उन्होंने कहा कि आजादी के अमृत महोत्सव के दौरान स्व. मूलचंद पारीक जैसे स्वतंत्रता सेनानियों के आदर्शों से प्रेरणा लेते हुए उनका अनुसरण करना चाहिए।

बीकानेर में स्वतंत्रता सेनानी मूलचंद पारीक को पुण्यतिथि पर शिक्षा मंत्री बी. डी. कल्ला व पूर्व मंत्री देवीसिंह भाटी तथा मदन गोपाल मेघवाल व महापौर सुशीला कंवर ने श्रद्धांजलि दी।

- स्वतंत्रता सेनानी पारीक की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया
- निगम द्वारा इन स्वतंत्रता सेनानियों के नाम से मार्गों का नामकरण किया गया है, युवा पीढ़ी उनसे प्रेरणा लें

पूर्व मंत्री देवी सिंह भाटी ने कहा कि स्व. मूलचंद पारीक जैसे स्वतंत्रता सेनानी पूरे समाज की धरोहर हैं। ऐसे महापुरुषों की स्मृतियों को अक्षुण बनाए रखना हमारा सामूहिक दायित्व है। उन्होंने कहा कि देश हित के लिए अपना समूचा जीवन लगा देना सबसे महत्वपूर्ण होता है। डॉ. भीमराव अम्बेडकर फाउंडेशन (अम्बेडकर पीठ) के महानिदेशक मदन गोपाल मेघवाल ने कहा कि देश को आजादी दिलाने में अनेक देश भक्तों ने अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया। असंख्य देशभक्तों के इस योगदान को आने वाली पीढ़ियां याद रखेगी। स्व. मूलचंद पारीक भी ऐसे स्वतंत्रता सेनानी थे, जिन्होंने देश हित को सर्वोपरि माना।

महापौर सुशीला कंवर राजपुरोहित ने कहा कि निगम द्वारा इन स्वतंत्रता सेनानियों के नाम से मार्गों का नामकरण किया गया है। युवा पीढ़ी इसकी अहमियत समझें, यह जरूरी है। नगर विकास न्यास के पूर्व अध्यक्ष हाजी मकसूद अहमद ने कहा कि स्व. पारीक एक जनसेवक के रूप में बीकानेर के हितों के लिए प्रयासरत रहे। उन्होंने पीड़ित वर्ग को समाज की मुख्यधारा में जोड़ने का काम किया।

स्वतंत्रता सेनानी स्व. मूलचंद पारीक स्मृति संस्थान के अध्यक्ष नित्यानंद पारीक ने स्वतंत्रता सेनानी स्व. मूलचंद पारीक के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी। कार्यक्रम प्रभारी डॉ. मिर्जा हैदर बेग ने पारीक चौक स्थित सरकारी विद्यालय का नामकरण स्व. मूलचंद पारीक के नाम से करने की मांग रखी तथा आगंतुकों का आभार जताया।

इस दौरान कन्हैयालाल कल्ला, देवकिशन चांडक, जुगल राठी, प्रादेशिक परिवहन अधिकारी नेमीचंद पारीक, भंवर लाल व्यास, हीरालाल किराडू बतौर अतिथि मौजूद थे। इससे पहले शिक्षा मंत्री डॉ कल्ला सहित सभी अतिथियों ने स्व. मूलचंद पारीक की प्रतिमा के सामने पुष्पांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में वल्लभ कोचर, हेमंत किराडू, मालचंद कस्वां, ओम प्रकाश राठी, कमल रंगा, डॉ. फारुख, नरसिंह दास व्यास, भंवरलाल साद, गिरिराज पारीक, महेन्द्र कुमार जोशी, रुपाराम चौधरी, धनसुख आचार्य, श्रवण रामावत, हंसराज, बिशनाराम गोदारा, राकेश पारीक, शिव कुमार, संतोष व्यास, सुमित कोचर सहित शहर के अनेक गणमान्य लोग मौजूद थे।

जमीन आवंटन को लेकर धरना जारी

चूरू, (कास)। राजकीय अल्पसंख्यक बालक छात्रावास संघर्ष समिति की ओर से नगर परिषद के आगे छात्रावास जमीन आवंटन की मांग को लेकर दिया जा रहा अनिश्चितकालीन धरना बुधवार को 14वें दिन भी जारी रहा। गौरतलब है कि यह धरना अल्पसंख्यक समाज की ओर से समाज के छात्रावास की मांग को लेकर नगर परिषद की टरकाऊ नीति के विरोध में दिया जा रहा है। धरने पर बैठे लोगों ने कहा कि चूरू नगर परिषद नरक परिषद का रूप ले रही है। नगर परिषद सभापति पायल सैनी आंखें बंद कर समाज की जायज मांगों पर पानी फेरना चाहती है, पर वे अपनी मांगों को लेकर डटे रहेंगे, जब तक मांगें नहीं मानी गई तब तक धरना जारी रहेगा। जरूरत पड़ने पर उग्र आंदोलन भी किया जाएगा। इस अवसर पर राजस्थान महिला आयोग की नवनियुक्त अध्यक्ष रेहाना रियाज से वार्ता कर मामले के बारे में अवगत कराया गया और समाज के लिए जल्द ही जमीन आवंटन की मांग की गई।

इस अवसर पर अख्तर खान रुकनखानी, असलम खां दौलतखानी, मकसूद खान रतननगर, अब्बास भाटी, मुबारक भाटी, आरिफ खान, जावेद खान, महबूब खान, अयूब खान, मोहम्मद अली पठान, भंवरु खां आदि उपस्थित थे। इतने गम्भीर आरोप लगने के बाद भी सभापति पायल सैनी की चुप्पी नहीं टूट रही है। लोगों ने कहा कि पायल सैनी वोट मांगने के लिए तो घर-घर गई थीं।

सार-समाचार

पुण्यतिथि पर व्यास को श्रद्धांजलि दी

बीकानेर, (कासं)। मुरलीधर व्यास राजस्थानी स्मृति संस्थान और स्टूडेंट सॉल्यूशन क्लासेज के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार को आधुनिक राजस्थानी कहानी के जनक मुरलीधर व्यास राजस्थानी की 38 वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। संस्थान के आनंद पुरोहित मस्ताना ने बताया कि स्व. मुरलीधर व्यास राजस्थानी साहित्य जगत में प्रथम कहानीकार थे। उन्होंने लघु कथाएं, लोक कथाएं, संस्मरण, रिपोर्ट, नाटक, निबंध, दोहे, सोरठे भी लिखे। स्व. मुरलीधर व्यास के पड़पौत्र तथा युवा साहित्यकार व्यास योगेश ने व्यक्तिगत कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मुरलीधर व्यास ने उस दौर में राजस्थानी भाषा में लिखना शुरू किया, जब यहां अंग्रेजों का शासन था। अंग्रेजी बोलना लिखना अधिक चलन में थे। साहित्य सृजन में उन्होंने अनेक चुनौतियों का सामना किया। वह राजस्थानी भाषा के जीवंत रूप थे। राजस्थानी भाषा उनके रग-रग में समाई हुई थी। युवा गीतकार गोपाल पुरोहित 'अवांछित' ने बताया कि मुरलीधर व्यास कहानीकार के साथ- साथ कवि भी थे। भक्ति रस की उनकी रचनाएं कल्याण जैसी स्तरीय पत्रिकाओं में प्रकाशित हुई। संस्था के पीयूष जांगिड़ ने कहा कि मुरलीधर व्यास ने सामाजिक विद्रुपताओं के विरुद्ध लेखनी चलाई। उनकी रचनाएं गूढ़ अर्थ लिए हुए होती थी। साथ ही उन्हें समझना पाठक के लिए आसान होता है। उन्होंने बदलते समय की मान्यताओं को राजस्थानी सन्दर्भ में नवबोध के साथ प्रस्तुत किया। शुभम व्यास ने आगंतुकों का आभार जताया। कार्यक्रम में मधुकर जोशी, कुनाल गहलोत, लक्की व्यास, माधव व्यास, दीक्षा पुरोहित, हर्षिता स्वामी, योगिता पारीक आदि गणमान्य लोग उपस्थित थे।

कड़वासरा ने पदभार संभाला

बीकानेर, (कासं)। राजस्थान भूदान यज्ञ बोर्ड के नवनियुक्त अध्यक्ष लक्ष्मण कड़वासरा ने बुधवार को जयपुर में पदभार ग्रहण किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने उन्हें जो जिम्मेदारी दी है, वह इस पर खरा उतरने का प्रयास करेंगे। भूदान यज्ञ बोर्ड से जुड़ी किसानों की समस्याओं का प्राथमिकता से निस्तारण किया जायेगा। इसके लिए प्रदेशभर का दौरा करेंगे। पदभार ग्रहण करने के पश्चात उन्होंने बोर्ड के अधिकारियों से विभागीय गतिविधियों की जानकारी ली तथा कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए। इस दौरान यशपाल गहलोत, फल सब्जी एवं ऊन मंडी चेयरमैन रामा कड़वासरा, बिशनाराम सियाग, हारुन राठौड़, राजेश दाधीच, रामगोपाल, मूलाराम, गोपाल राम कड़वासरा, ईश्वर दयाल, बजरंग ठेकेदार, बजरंग पटवारी, पप्पू कड़वासरा, अमरचंद सियाग, रिडमल बिस्सु, ओम प्रकाश, सहीराम सारण, ओमप्रकाश गोदारा, प्रेम बांगड़वा, राजकुमार गोदारा, कैलाश जाखड़, रामनिवास गोदारा, रामनारायण ज्याणी, धर्मचंद सांगवा, मुखराम धतरवाल, अरविंद काजला, श्रवण राम घिंटाला, राहुल जादू संगत, शिव गहलोत, टीकू तंवर, भंवर गोदारा, श्रवण रिटोड़, गणपत खींचड़, कैप्टन मोहनलाल, सुमित भगासरा, गणपत सिगड़, भंवरलाल रिटोड़, भंवरलाल डारा, भंवरलाल गोरछिया, मुन्नी देवी गोरछिया, रामनारायण कड़वासरा आदि मौजूद थे।

प्लेसमेंट शिविर का आयोजन

बीकानेर, (कासं)। बी.जे.एस. रामपुरिया जैन विधि महाविद्यालय, बीकानेर में आज रितु प्लेसमेंट्स के सहयोग से प्लेसमेंट एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में बोलते हुए रितु प्लेसमेंट्स के डी. एम. अशोक भार्गव ने बताया कि बहुराष्ट्रीय कंपनियों में वर्क फॉर्म होम एवं वर्क ऑन ऑफिस दोनों तरह की नौकरियां उपलब्ध होती है। इन बहुराष्ट्रीय कंपनियों में नौकरी करने के लिये उच्च शिक्षा के साथ साथ अपने ऊपर विश्वास की जरूरत भी होती है। अधिकतर भारतीय अंग्रेजी से कम जुड़ाव रखते है और अगर अंग्रेजी आती है तो वे सोचते है कि उनका लहजा अलग है। आज जरूरत है इस भावना को बदलने की व इन बहुराष्ट्रीय कंपनियों के साथ जुड़ने की। बहुराष्ट्रीय कंपनियों के साथ जुड़ने के लिये कोई अतिरिक्त योग्यता की आवश्यकता नहीं है वरन केवल कुछ ट्रेनिंग की आवश्यकता होती है। एच.आर त्रिशला वर्मा ने बताया कि आज समय के मांग है कि हर कॉलेज का विद्यार्थी अपना खर्च स्वयं उठाये और प्लेसमेंट एजेंसियों से जुड़कर लाभ उठाये। रितु प्लेसमेंट्स की एच.आर.एम. सुरभि रावल ने बताया कि समय कि मांग के अनुसार ढ़लने वाले विधि के विद्यार्थियों के लिये आज के समय में कई अवसर उपलब्ध है। प्राचार्य डॉ. अनन्त जोशी ने धन्यवाद देते हुए बताया कि बी.जे.एस. रामपुरिया जैन विधि महाविद्यालय समय- समय पर विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थी को आज के समय में हो रहे बदलावों के साथ जोड़ना है। इस एक दिवसीय शिविर से आप स्वयं भी लाभ उठायें और अपने परिचितों को भी आज के समय में हो रहे बदलावों से जोड़ने का कार्य करें।

स्कूल में विकास कार्य कराने वाले दानदाता सम्मानित होंगे

हनुमानगढ़,(कासं)। शिक्षा विभाग एवं समग्र शिक्षा की विभिन्न योजनाओं की समीक्षा के लिए जिला निष्पादक समिति की बैठक मंगलवार को जिला कलेक्टर नथमल डिडेल की अध्यक्षता में हुई। कलेक्ट्रेट सभागार में हुई इस बैठक में निर्णय लिया गया कि जिले में स्कूल में विकास कार्यों के लिए कोई भी व्यक्ति डोनेट टू स्कूल के अन्तर्गत 1 लाख या उससे ज्यादा का दान देता है तो ऐसे दानदाताओं को सम्मानित किया जायेगा।

सीडीईओ वीरेन्द्र कुमार ने बताया कि डोनेट टू स्कूल अंतर्गत जिले में जनवरी माह में ही करीब 6.7 लाख ऑनलाइन और 28 लाख 35 हजार रूपये ऑफलाइन प्राप्त हुए हैं। बैठक में जिला कलेक्टर ने जिले में संचालित कुल 24 महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय अंग्रेजी माध्यम की समीक्षा करते हुए इन विद्यालयों में आवश्यक सामग्री के लिए प्रस्ताव शीघ्र भिजवाने हेतु निर्देश दिए। साथ ही बोर्ड परीक्षा 2022 के परीक्षा परिणाम सुधार हेतु प्रति सप्ताह टेस्ट लेने, कमजोर विद्यार्थियों को चिन्हित कर अतिरिक्त कक्षाएं लगाने के निर्देश दिए।

हनुमानगढ़ कलेक्टर नथमल डिडेल ने शिक्षा विभाग एवं समग्र शिक्षा योजना की समीक्षा बैठक को संबोधित किया।

उन्होंने कहा कि बोर्ड की प्रायोगिक परीक्षाएं विभागीय निर्देशानुसार सम्पन्न करवाई जाए तथा अधिकारी समय-समय पर इन परीक्षाओं का निरीक्षण करें। जिला कलेक्टर ने राजकीय एवं निजी विद्यालयों में 15-18 वर्ष के कोविड वैक्सीनेशन से वंचित विद्यार्थियों का भी जल्द वैक्सीनेशन के निर्देश दिए। एनीमिया मुक्त राजस्थान के अन्तर्गत बच्चों को नियमित रूप से गुलाबी एवं नीली गोलियों का प्रति सप्ताह वितरण करने,शाला दर्पण पोर्टल पर चढ़ाने और गोलियों की मांग विद्यालय की ओर से संबंधित प्राथमिक चिकित्सा केन्द्र पर भिजवाना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

महिला ने अपहरण की रिपोर्ट दी

पाटन, (निसं)। निकटवर्ती ग्राम पंचायत न्योराणा कि संतोष देवी ने अपने ही गांव के रामवतार मीणा पुत्र गोकुल चंद मीणा पर बेटी के अपहरण की नामजद रिपोर्ट पाटन थाने में दर्ज कराई है।

संतोष देवी ने बताया कि 13 जनवरी को वह जीवन रेखा अस्पताल में भर्ती थी तभी मेरी पुत्री का फोन आया और घर आने के बारे में पूछा। मैंने बताया कि एक घंटे बाद मुझे छुट्टी मिलने पर घर पहुंचेगी। सन्तोष देवी अस्पताल से छुट्टी मिलते ही घर आई तो मेरी बेटी मुझे घर नहीं मिली। गांव के एक व्यक्ति ने बताया कि उसको रामोतार के साथ देखा था।

आरोपी रामअवतार मीणा मेरी बेटी को सीकर भगा कर ले गया। पीड़ित संतोष देवी ने बताया कि आरोपी मेरी बेटी के साथ कोई अप्रिय घटना कर सकता है तथा मेरी बेटी को जान माल का पूरा खतरा है।

पीड़ित संतोष देवी में पाटन थाने में गुहार लगाकर आरोपी रामावतार मीणा के खिलाफ कार्रवाई करने व बेटी को सकुशल घर वापसी को लेकर पाटन थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

राष्ट्रीय मतदाता जागरूकता प्रतियोगिता 15 मार्च तक चलेगी

श्रीगंगानगर, (कासं)। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा 'मेरा मत - मेरा भविष्य' और 'एक मत की ताकत' को आधार लेते हुए राष्ट्रीय मतदाता जागरूकता प्रतियोगिता प्रस्तुत की गई है। राष्ट्रीय मतदाता दिवस 25 जनवरी को प्रारम्भ हुई यह प्रतियोगिता 15 मार्च तक चलेगी।

- साक्षरता क्लबों के प्रभारी अधिकारी, कैम्पस एम्बेसेडर आदि सम्मिलित हुए

जिला कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी रुक्मणि रियार सिहाग और उप जिला निर्वाचन अधिकारी एवं अतिरिक्त जिला कलेक्टर प्रशासन भवानी सिंह पंवार ने बताया कि प्रतियोगिता को राजस्थान में व्यापक प्रचार और कार्यवाही के उद्देश्य से मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता के निर्देशानुसार विगत दिवस निर्वाचन विभाग, राजस्थान द्वारा सचिवालय जयपुर में एक वीडियो कांफ्रेंस का आयोजन किया गया। इसमें राजस्थान के सभी जिला एवं ब्लॉक स्तर तक के अधिकारी व निर्वाचन साक्षरता क्लबों के प्रभारी अधिकारी, कैम्पस एम्बेसडर आदि सम्मिलित हुए। मुख्य विषय वस्तु 'मेरा मत- मेरा भविष्य' के व्यापक प्रचार-प्रसार के दृष्टिकोण से निर्वाचन विभाग, राजस्थान की ओर से वीडियो कांफ्रेंस में मार्गदर्शन देते हुए अतिरिक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी कृष्ण कुणाल ने बताया कि यह प्रतियोगिता न केवल आम मतदाता को जागरूक करेगी बल्कि रचनात्मक विचार और क्रियात्मकता को आगे लाने का एक सशक्त माध्यम बनेगी। भारत निर्वाचन आयोग की इस प्रतियोगिता में 5 मुख्य बिन्दु रखे गए हैं जिनमें क्विज कान्टेस्ट, वीडियो निर्माण प्रतियोगिता, पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता, गीत निर्माण प्रतियोगिता तथा स्लोगन लेखन प्रतियोगिता शामिल है।ांवार ने बताया कि इन सभी प्रतियोगिताओं का मुख्य उद्देश्य नव वातावरण का निर्माण एवं चेतना बनाना है।

विद्यार्थियों को नशा नहीं करने की शपथ दिलाई

बीदासर, (निसं)। संभागीय आयुक्त एवं जिला कलेक्टर चूरू के निर्देशों की पालना में राजकीय बांठिया माध्यमिक विद्यालय बीदासर में बुधवार को 'हम न नशा करेंगे और न ही किसी को नशा करने देंगे' की थीम पर नशा मुक्ति अभियान का शुभारंभ किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कार्यवाहक उपखंड अधिकारी सुभाष चंद छीपा, विशिष्ट अतिथि ब्लॉक शिक्षा अधिकारी देशराज सिंह सिंघल तथा कार्यक्रम के आयोजक प्रधानाध्यापक ओमप्रकाश शर्मा एवं मिशन के प्रभारी डॉ. सरदार सिंह व्याख्याता, आरपी गुलाबचंद व रचना पारीक रहे। उपखंड अधिकारी ने कार्यक्रम का षुभारम्भ कर अपने उद्बोधन में विद्यालय के छात्र-छात्राओं से आह्वान किया कि वे नशे से दूर रहें और अपना ध्यान अध्ययन पर केंद्रित करें और उन्होंने छात्र-छात्राओं को नशा वृत्ति से होने वाले मानसिक, सामाजिक, आर्थिक नुकसान के बारे में अवगत कराया।

विशिष्ट अतिथि ब्लॉक शिक्षा अधिकारी देशराज सिंह सिंघल ने अपने उद्बोधन में कहा कि कोई भी विद्यार्थी तंबाकू गुटखा का प्रयोग नहीं करें क्योंकि इससे अध्ययन से ध्यान विचलित होता है और साथ ही विद्यार्थी गंभीर बीमारियों का शिकार भी हो सकता है।

रोज एवं गार्डन प्रतियोगिता 26 को होगी

बीकानेर, (कासं)। रोज एवं गार्डन प्रतियोगिता प्रदर्शनी की तिथि में परिवर्तन किया गया है। यह प्रतियोगिता अब 19 फरवरी के स्थान पर 26 फरवरी को शार्दुल क्लब मैदान में आयोजित होगी। अतिरिक्त संभागीय आयुक्त ए. एच. गौरी ने बताया कि 6 श्रेणियों में आयोजित होने वाली इस प्रतियोगिता के लिए 23 फरवरी तक आवेदन किए जा सकेंगे। भरे हुए आवेदन वाट्सएप नम्बर 0151-2202158 पर अपलोड करने होंगे। सभी श्रेणियों में प्रथम तीन स्थान प्राप्त करने वाले विजेताओं को नकद राशि तथा प्रशस्ति पत्र प्रदान किए जाएंगे।

विद्युत विभाग की लापरवाही के चलते बिजली के उपकरण जले

सादुलपुर, (निसं)। राजगढ नगरपालिका क्षेत्र के वार्ड 4० मेघवाल मोहल्ले में गत 3-4 दिनों से बिजली के बार-बार ट्रिपिंग लेने से लोगों के घरों में महंगे विद्युत उपकरण जल गये।

वार्ड पार्षद एडवोकेट राजेन्द्र पटीर ने बताया कि गत 3-4 दिनों से कभी बिजली आती है, कभी जाती है और अचानक वोल्टेज बढ जाते हैं, फिर वोल्टेज कम हो जाते हैं, जिससे घरों से बल्ब, एलईडी मोबाइल चार्जर खराब हो गए। वहीं मौहल्ले में कई घरों में टेलिविजन व मोबाईल सहित अन्य सामान खराब हो गये हैं। पटीर ने बताया कि इस संबन्ध में विद्युत निगम कार्यालय सादुलपुर के जेईएन को दुरभाष से अवगत करवा दिया गया था, परन्तु आज तक समस्या का समाधान नहीं हुआ है।

राजगढ़ के वार्ड 40 में गुसांइन समाधि के पास गुजरती विद्युत लाइन।

कलश यात्रा के साथ भाटी के धरना स्थल पर गीतासार व गौ कथा शुरु

बीकानेर, (कासं)। पूर्व मंत्री देवी सिंह भाटी द्वारा राज्य सरकार के द्वारा 15 दिसम्बर 2021 को गोचर , औरण के कब्जाधारियों को पट्टे जारी करने के निर्णय के खिलाफ दिया जा रहा अनिश्चितकालीन धरना आज 35 वें दिन भी जारी रहा।

आज धरना स्थल पर बालसंत श्रीछैल बिहारी द्वारा रामगणेश मंदिर से कलश यात्रा लेकर पहुंचने के बाद श्रीमद्भागवद गीता सार महोत्सव व गौ - कथा की शुरूआत की गई। वहीं गोचर दीवार निर्माण के लिए कैलाशपुरी के लोगों द्वारा 51 हजार रूपये की राशि गुप्त भेंट की गई।

भाटी के प्रवक्ता सुनील बांठिया ने बताया कि कथा की पूजा रवि कुमार शास्त्री, मनु महाराज द्वारा मुख्य यजमान प्रेमलता - देवीकिशन चांडक से कराई गई। श्रीछैल बिहारी ने गाय के महत्व व उत्पति के बारे में विस्तृत व्याख्या करते हुए गौ प्रेमी भाटी द्वारा देशी इलाज पर आधारित पुस्तक के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि भाटी की इस पुस्तक में भी गौ माता द्वारा प्रदत्त वस्तुओं से रोगों का शून्य आधारित इलाज की भी जानकारी दी हुई है।

बीकानेर के सरह नथानियान गोचर भूमि में भाटी के धरनास्थल पर कलश यात्रा के साथ गीता सार व गौ कथा का शुभारंभ किया।

छैल बिहारी ने कहा कि गाय का आदर सत्कार करें। गाय से ही हमें धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष की प्राप्ति हो सकती है। श्रीकृष्ण के जन्म पर नन्द बाबा ने भी ऋषियों - मुनियों को दो लाख गाये भेंट स्वरूप प्रदान की थी। उन्होंने कहा कि जहां गाय पूजी जाती है वहां देवता वास करते हैं। आज गौ माता के बगैर शादी-विवाह भी सम्पन्न नहीं होते हैं।

- गोचर दीवार निर्माण के लिए कैलाशपुरी के लोगों द्वारा 51 हजार रूपये की राशि दी

इस अवसर पर पूर्व मंत्री भाटी ने कहा कि पहले हर घर में गौवंश पाला जाता था। जिससे घर के लोगों को रोगों से मुक्ति मिलती थी। आज यह सरकार गौवंश के चारागाह को समाप्त करने पर तुली हुई है। जिसे हम किसी भी हालात में होने नहीं देंगे। भाटी ने कहा कि गाय द्वारा प्रदत्त वस्तुएं दैनिक उपयोग में लेने से व्यक्ति की रोगों से लड़ने की क्षमता बढ़ती है। प्रत्येक घर में एक गाय अवश्य पालनी चाहिए। वही धरने के समर्थन में पूरे प्रदेश से गौ प्रेमियों का समर्थन प्राप्त हो रहा है।

मिस फ्रेशर सुमन व मनमोहन मिस्टर फ्रेशर घोषित

बीकानेर, (कासं)। एमजीएसयू के इतिहास विभाग में स्नातकोत्तर के नवागंतुक छात्रों के स्वागत में सीनियर छात्र-छात्राओं द्वारा फ्रेशर्स पार्टी का आयोजन किया गया।

विभागाध्यक्ष प्रो. अनिल कुमार छंगाणी द्वारा छात्रों को संबोधित किया जिसमें उन्होंने छात्र-छात्राओं को एकजुट रहकर विभाग के आयोजनों में प्रत्यक्ष हिस्सेदारी को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित होने की बात कही। फ्रेशर पार्टी की समन्वयक सहायक प्रो. डॉ. मेघना शर्मा ने बताया कि सर्वप्रथम मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन से विधिवत आरंभ हुए आयोजन में सर्वप्रथम सीनियर छात्रों द्वारा सत्र के नए आवेशित छात्र छात्राओं का कुमकुम लगाकर स्वागत किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम के तहत नृत्य प्रस्तुतियां, नाट्य, गायन, चुटकुले, कविताएं आदि प्रस्तुतियां आयोजित की गई। नवागंतुक छात्र छात्राओं ने डीजे की धुन पर रैम्प पर कैटवॉक कर अपना परिचय मंच से दिया। जिसमें विजेता के रूप में मिस फ्रेशर का खिताब स्नातकोत्तर आंकियोलॉजी की सुमन को दिया गया तो वहीं मिस्टर फ्रेशर स्नातकोत्तर इतिहास के मनमोहन सुथार को चुना गया। सीनियर छात्रों ने अपने जूनियर छात्र- छात्राओं के साथ कई प्रकार के मनोरंजक खेल खेले। आयोजन के अंत में विजेता घोषित किये गए। आयोजन में इतिहास विभाग के अतिथि संकाय सदस्य सुनीता स्वामी, सुधीर छींपा, पवन रावत जसप्रीत सिंह, डॉ मुकेश हर्ष आदि उपस्थित रहे।

बीकानेर में एमजीएस विवि के इतिहास विभाग में फ्रेशर पार्टी में छात्र-छात्राओं ने प्रस्तुति दी।

प्रदेश में करोना संक्रमितों की संख्या में थोड़ी और वृद्धि हुई

राज्य में बुधवार को 1702 नए संक्रमित मिले, इससे पहले मंगलवार को 1387 रोगी पाए गए थे

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर, 16 फरवरी। प्रदेश में बुधवार को थोड़ी और वृद्धि के बाद 1702 नए करोना संक्रमित मिले हैं। हालाकि इनकी तुलना में साढ़े तीन हजार से ज्यादा मरीज ठीक हुए हैं। वहीं इस बीमारी से 13 और लोगों की मौत हुई है।

राज्य में लगातार दूसरे दिन भी नए संक्रमितों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। इस दौरान बुधवार को 315 और मामले बढ़ने के साथ 1702 रोगी पाए गए हैं। इससे पहले मंगलवार को 1387 संक्रमित मिले थे। इधर राजधानी जयपुर में भी नए संक्रमितों की संख्या में और वृद्धि हुई है। जिले में पिछले चौबीस घंटों में 454 नए संक्रमित मिले हैं। इसके अलावा उदयपुर में 156, जोधपुर में 151, अलवर में 94, बांसवाड़ा में 88, झुंझुनूं में 67, कोटा में 58, राजसमंद में 55, अजमेर में 50, बीकानेर में 47,

- **जयपुर में भी थोड़ी और वृद्धि के बाद 454 नए संक्रमित मिले हैं।**
- **राज्य में साढ़े तीन हजार से ज्यादा मरीज स्वस्थ हुए हैं।**
- **प्रदेश में पिछले चौबीस घंटों में करोना से 13 और लोगों की मौत हो गई है।**

प्रतापगढ़ में 45, भीलवाड़ा में 41, सीकर में 36, पाली में 35, करौली में 34, नागौर में 33, भरतपुर में 31, झालावाड़ में 26, बारां में 25, टोंक में 9, दौसा में 8, श्रीगंगानगर में 6, बूंदी में 5, धौलपुर में 3 और जालोर में 2 नए संक्रमित मिले हैं।

इस बीच राज्य में 3569 लोग रिकवर हुए हैं। इसके साथ ही प्रदेश में अब तक 12 लाख 44 हजार 384 मरीज ठीक हो चुके हैं। राज्य में पिछले कई दिनों से बेहतर रिकवरी होने से एक्टिव केस घटकर 16 हजार 96 रह गए हैं। इनमें 4879 रोगियों का इलाज जयपुर जिले में चल रहा है।

राज्य में बुधवार को करोना से मरने वालों की संख्या में और वृद्धि हुई है। इस दौरान 11 जिलों में 13 लोगों की मौत हो गई है। इनमें बाड़मेर व सीकर में 2-2 और जयपुर, अजमेर, भरतपुर, बीकानेर, झालावाड़, जोधपुर, कोटा, उदयपुर तथा नागौर में 1-1 संक्रमित की मृत्यु हुई है। प्रदेश में अब तक इस बीमारी से 9494 लोगों की मौत हो चुकी है।

सी.बी.आई. ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लेकिन एजेंसी को उन राज्यों में चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है जिन्होंने एजेंसी की कार्यवाही के लिये दी गई आम सहमति/स्वीकृति वापस ले ली हैं तथा इस प्रकार के बैंक-फ्रॉड्स की जाँच राज्य की पुलिस को सौंप दी हैं।

अधिकारी ने कहा कि सी.बी.आई. के लिये, राज्यों की सीमा के अंदर किसी भी केस की जाँच के लिये राज्य सरकार की आम स्वीकृति (जनरल कन्सेंट) जरूरी होती है क्योंकि संविधान के तहत, पुलिस तथा सार्वजनिक व्यवस्था राज्य के विषय हैं।

उन्होंने कहा कि यह गुजरात सरकार की स्वीकृति के फलस्वरूप ही संभव हुआ है कि सी.बी.आई. पूरी मुस्तैदी के साथ ए.बी.जी. शिपयार्ड लिमिटेड के उस फ्रॉड की जाँच को आगे बढ़ा रही है, जो एस.बी.आई. सहित, 28 बैंकों के समूह, जिनका नेतृत्व आई.सी.आई.सी.आई. बैंक कर रहा है, के साथ किया गया है। कम्पनी को 30 जुलाई, 2016 को एन.पी.ए. घोषित कर दिया गया था, तथा इस घोषणा को 30 नवम्बर 2013 से लागू कर दिया गया था।

बॉलीवुड के फेमस संगीतकार एवं गायक बप्पी दा का मंगलवार देर रात निधन हो गया। वे पिछले एक वर्ष से, ऑब्स्ट्रक्टिव स्लीप एपनिया (ओ.एस.ए.) की बीमारी से जूझ रहे थे और सीने में संक्रमण की शिकायत के बाद उन्हें जुहू के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था। स्वास्थ्य में कुछ सुधार के बाद डॉक्टर्स ने 15 फरवरी को उन्हें घर भेज दिया गया था लेकिन रात में अचानक दोबारा तबीयत बिगड़ने के कारण उन्हें फिर से अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां मंगलवार रात 11 बजकर 45 मिनट पर 69 वर्षीय संगीतकार इस दुनिया को अलविदा कह गये। बप्पी दा के नाम से मशहूर, संगीतकार एवं गायक का वास्तविक नाम अलोकेश लाहिरी था। उनका जन्म सन् 1952 में जलपाईगुड़ी में, गायकों के परिवार, अपरेश लाहिरी और बांसुरी लाहिरी के घर में हुआ था। सन् 2018 में फिल्मफेयर लाइफटाइम अचीवमैंट पुरस्कार से नवाज़े गए बप्पी लहिरी ने 1974 में, बंगाली फिल्म दादू में गायक के रूप में अपने करियर की शुरूआत की थी। बॉलीवुड में डिस्को म्यूज़िक का रंग घोलने का श्रेय बप्पी लाहिरी को ही जाता है। उन्होंने 1970 और 80 के दशक में, चलते चलते, डिस्को डांसर, नमक हलाल और शराबी जैसी कई फिल्मों में बेहद लोकप्रिय संगीत दिया। बॉलीवुड फिल्मों के लिए आखिरी गीत उन्होंने 2020 में आई फिल्म बागी-3 के लिए कम्पोज़ किया था।

सुप्रीम कोर्ट न्यायिक ट्रिब्युनल्स में रिक्त पदों के मामले में सख्त नाराज

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि, नौकरशाही इस मामले को हल्के में ले रही है, अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया है

नई दिल्ली, 16 फरवरी। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को ट्रिब्यूनल में खाली पड़े पदों की भर्ती को लेकर हो रही लापरवाही पर नाराजगी जाहिर की है। कोर्ट ने सख्त लहजे में कहा कि नौकरशाही मामले को हल्के में ले रही है और पदों को भरने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा रहा है। कोर्ट का कहना है कि ट्रिब्यूनल में काफी पद खाली हैं जिनमें से कुछ ही पदों पर भर्तियां हुई हैं।

मुख्य न्यायाधीश एन.वी. रमना की अध्यक्षता वाली पीठ, जो देश भर के विभिन्न न्यायाधिकरणों में खाली पदों के मुद्दे पर सुनवाई कर रही है, ने कहा कि शुरू में कुछ नियुक्तियां की गई और उसके बाद आगे कुछ खास नहीं किया गया। पीठ ने बताया कि, हमें कुछ याचिकाएं मिली हैं, जिनमें एन.सी.एल.टी. (नैशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल) के सदस्यों के लिए समय बढ़ाने की मांग की गई है। वहीं, ट्रिब्यूनल में काफी कम नियुक्तियां हुई हैं और उसके बाद इस मामले में कुछ नहीं किया गया। कई सदस्य सेवानिवृत्त हो रहे हैं। फिर भी नौकरशाही इसे मुद्दे को हल्के में ले रही है।

अटार्नी जनरल के.के. वेणुगोपाल, जो रिक्तियों से संबंधित मामलों से निपटने में पीठ की सहायता कर रहे हैं, ने रिक्तियों की सूची और उन्हें भरने के लिए उठाए गए कदमों को दिखाने का प्रयास किया।

पीठ ने कहा कि वह इस मुद्दे पर दो हफ्ते बाद सुनवाई करेगी। शीर्ष अदालत केंद्र से उन न्यायाधिकरणों में नियुक्तियां करने के लिए कह रही है जो पीठासीन अधिकारियों के साथ-साथ न्यायिक और तकनीकी सदस्यों की गंभीर कमी का सामना कर रहे हैं।

अज्ञात वाहन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पहुंची वन विभाग की टीम ने पैंथर के शव को कब्जे में ले लिया और सज्जनगढ़ के बायोलॉजिकल पार्क ले गई जहां उसका पोस्टमार्टम करवा कर अंतिम संस्कार किया गया। मृत पैंथर नर है तथा उसकी उम्र आठ वर्ष के करीब बताई गई है। देबारी जिंक चौराहे के समीप बीते तीन माह में यह तीसरी घटना है जिसमें वाहन की टक्कर से पैंथर की मौत हुई है।

कोविड की भांति...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

नहीं देनी चाहिये, जैसे- नफरत और आक्रामकता के द्विपक्षीय कार्यक्रमों को मदद करना।''उन्होंने भारत को यू.एन. की उन कोशिशों का विरोध करने के लिये चुनौती भी दी, जो भारत में मुस्लिमों पर हो रहे आतंकी हमलों की बढ़ती संख्या को रोकने के लिये की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि इस्लामोफोबिया को मुख्यधारा का अंग न बनाया जाये।

नये...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

9 साल तक के बच्चों को साथ ले जाने के लिये मोटर साइकिल चलाने वाले के लिये ये सुरक्षा-उपाय इसलिये अनिवार्य किये गये हैं क्योंकि सेफ्टी हार्नेस के उपयोग से बच्चा, ड्राइवर से सटा हुआ रहेगा। सेफ्टी एक ऐसी ''एडजस्टेबल'' पोशाक होगी, जिसे बच्चा पहनेगा तथा जिसके कंधे पर लगी हुई बैल्ट मोटर साइकिल चालक पहनेगा, जिससे बच्चे का धड़ पूरी तरह सुरक्षित रूप से ड्राइवर के साथ सटा हुआ रहेगा, चिपटा रहेगा।

अधिसूचना में उदाहरण के लिये सेफ्टी हार्नेस की तस्वीर तथा उसके बारे में विस्तृत जानकारी भी दी गई है।

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के घर में अनाधिकृत प्रवेश की चेष्टा

डोभाल के घर में जबरन घुसने की कोशिश कर रहे एक युवक को सुरक्षाकर्मियों ने गिरफ्तार किया

नई दिल्ली, 16 फरवरी (वार्ता)। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के राजधानी दिल्ली स्थित आवास में बुधवार को जबरन घुसने की कोशिश के आरोप में पुलिस ने एक व्यक्ति को हिरासत में लिया है। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है।

अजीत डोभाल को जैड प्लस कैटिगरी की सुरक्षा मिली हुई है। इसके बावजूद इतनी बड़ी चूक से हड़कंप मच गया। पुलिस ने शख्स को हिरासत में ले लिया है। उससे पूछताछ की जा रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, पूछताछ में शख्स ने दावा किया कि किसी ने उसके शरीर में चिप लगा रखी है और उसे कंट्रोल कर रहा है। दिल्ली पुलिस के सूत्रों के मुताबिक हिरासत में लिए गए इस शख्स से पूछताछ की जा रही है। वह कौन है और एन.एस.ए. के घर में किस मंशा से घुस रहा था, यह जानने की कोशिश की जा रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक,

- **मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, गिरफ्तारी के बाद पूछताछ में युवक ने दावा किया कि, किसी ने उसके शरीर में चिप लगा रखी है और उसे कंट्रोल किया जा रहा है।**
- **अजीत डोभाल दिल्ली के बेहद हाई सिक्युरिटी वाले इलाके लुटियंस जोन के 5 जनपथ बंगले में रहते हैं। डोभाल के बंगले के पास ही कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का बंगला है।**

डोभाल के आवास में जबरन घुसने की कोशिश कर रहा यह शख्स बहकी-बहकी बातें कर रहा था। वह कह रहा था कि उसे अजीत डोभाल से मिलना है। उसकी समस्या वही सुलझा सकते हैं। शुरुआती जांच के बाद, दिल्ली पुलिस ने बताया कि आरोपी मानसिक रूप से परेशान लग रहा है। वह किराए की कार चला रहा था। अजित डोभाल दिल्ली के बेहद हाई सिक्यॉरिटी वाले इलाके लुटियंस जोन के 5 जनपथ बंगले में रहते हैं। उनसे पहले पूर्व प्रधानमंत्री इंद्र कुमार गुजराल इस बंगले में रहते थे। डोभाल के बंगले के पास ही कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का बंगला है। उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल में जन्मे डोभाल का करियर बतौर आई.पी.एस. ऑफिसर शुरू हुआ था। देश के भीतर दुश्मनों से निपटने के साथ-साथ विदेश में, खासतौर पर पाकिस्तान में डोभाल ने अपने काम से अलग छाप छोड़ी है। 90 के दशक की शुरुआत में डोभाल को कश्मीर भेजा गया था। करीब एक दशक तक उन्होंने खुफिया ब्यूरो की ऑपरेशन शाखा का नेतृत्व किया।

भाजपा, पहले. ..

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रहे आये थे या फिर उन्होंने भाजपा के पक्ष में वोट दिये थे। दरअसल, उस समय जहाँ भाजपा की हिन्दुत्व की अपील तथा प्रधानमंत्री का विकास का एजेंडा- दोनों ही मिलकर काफी प्रभावी रूप से आ गये थे, वहीं अखिलेश यादव पारिवारिक अनबन के संकट से जूझते दिखाई दे रहे थे। जहाँ भाजपा की हिन्दुत्व की अपील इस बार उतनी कारगर नहीं हो रही है, वहीं अखिलेश भी अपने विशिष्ट तरीके से, एक नेता के रूप में स्वयं को स्थापित करने में सफल हो गये हैं। ज़मीनी रिपोर्टों के अनुसार, यादव मतदाता यह महसूस कर रहे हैं कि केवल सपा की जीत ही उनके समुदाय को राजनैतिक महत्व प्रदान कर सकती है। पिछले वर्षों में, यादवों के उत्पीड़न के बहुत से प्रकरण सामने आये हैं, तथा इस समुदाय के मन में यह बात भी घर कर चुकी है कि उन्हें सरकारी नौकरियों, खासतौर से पुलिस विभाग में, आनुपातिक रूप से प्रतिनिधित्व, पदोन्नति तथा पदस्थापन नहीं मिल रहे हैं।

यौन शोषण मामले में प्रिंस एंड्रयू समझौते के तौर पर 1.6 करोड़ डॉलर देंगे

ब्रिटेन के प्रिंस एंड्रयू ने उन पर यौन शोषण का आरोप लगाने वाली युवती वर्जीनिया गिफ्रे के साथ ''आउट ऑफ कोर्ट'' सैटलमैंट किया

लंदन, 16 फरवरी (वार्ता/स्पूतनिक)। यौन शोषण मामले में फंसे ब्रिटेन के प्रिंस एंड्रयू न्यायालय के बाहर पीड़ित पक्ष हुए एक समझौते में 1.6 करोड डॉलर देने को तैयार हो गये हैं। मीडिया में शाही परिवार से जुड़े स्त्रोतों के हवाले से बुधवार को आई रिपोर्टों में यह जानकारी दी गयी।

प्रिंस एंड्रयू ने वर्जीनिया गिफ्रे के साथ न्यायालय के बाहर एक समझौता किया, गिफ्रे ने प्रिंस पर उनके साथ 17 साल की उम्र में यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था। उम्मीद है कि दोनों पक्षों 30 दिनों के भीतर इस मामले को सुलझा लेंगे। इसके अलावा प्रिंस एंड्रयू हिंसा से पीड़ितों की सहायता के लिए एक संस्था को पर्याप्त राशि का भुगतान करेंगे। स्थानीय अखबार मिरर न्यूजपेपर के अनुसार, इसमें से सिर्फ दो मिलियन पाउंड ही संस्था को दिया जाएगा तथा बाकी के 10 मिलियन पाउंड (16 मिलियन डॉलर) गिफ्रे को व्यक्तिगत तौर पर मिलेंगे।

- **वर्जीनिया गिफ्रे ने प्रिंस पर उनके साथ 17 साल की उम्र में यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया है।**
- **एग्रीमैंट के अनुसार इस राशि में से दो मिलियन पाउंड ही एक समाजसेवी संस्था को दिया जाएंगे तथा बाकी के 10 मिलियन पाउंड (16 मिलियन डॉलर) गिफ्रे को व्यक्तिगत तौर पर मिलेंगे।**

अखबार ने सूत्रों का हवाला देते हुए कहा कि महारानी एलिजाबेथ और प्रिंस चार्ल्स ने मामले को निपटाने के लिए प्रिंस एंड्रयू पर काफी दबाव डाला ताकि महारानी की 70वीं वर्षगांठ के कार्यक्रमों पर इस विवाद का कोई असर न हो। इस समझौते के बावजूद, प्रिंस एंड्रयू अभी भी कथित तौर पर खुद को बेगुनाह बता रहे हैं और सार्वजनिक जीवन में लौटने का प्रयास कर रहे हैं।

प्रिंस एंड्रयू पर 38 वर्षीय गिफ्रे और उनके वकील ने कथित तौर पर उसके साथ 17 साल की उम्र में यौन शोषण करने पर आरोप लगाया था। गिफ्रे एक अमेरिकी-ऑस्ट्रेलियाई कार्यकर्ता है।

यू.ए.ई के शेख से वर्चुअल मीटिंग करेंगे प्र.मंत्री मोदी

नई दिल्ली, 16 फरवरी (वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अबू धाबी के उत्तराधिकारी शहजादे तथा संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के सैन्य बलों के सर्वोच्च कमांडर शेख मोहम्मद बिन जायेद अल नह्यान के साथ वीडियो कांफ्रेंस के जरिए 18 फरवरी को भारत-यूएई शिखर वार्ता करेंगे।

एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार दोनों नेता इस अवसर पर दोनों पक्षों के बीच ऐतिहासिक और मित्रवत संबंधों को आगे बढ़ाने के संबंध में अपने दृष्टिकोण प्रस्तुत करेंगे।

भारत-यूएई कि शिखर बैठक ऐसे समय हो रही है जबकि भारत में आजादी का अमृत महोत्सव और यूएई की स्थापना की 50 वीं वर्षगांठ मनाई जा रही है।

आधार कार्ड कोई कवच...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तहत लाभार्थी को चिन्हित करने और उसका सही और प्रमाणित डेटा पी.एम.- किसान पोर्टल पर अपलोड करने की जिम्मेवारी संबंधित राज्य सरकार की है। यह जानकारी कृषि मंत्रालय ने 11 फरवरी 2022 को राज्य सभा में पूछे गए एक सवाल के जवाब में दी थी।

पी.एम. किसान लाथार्थियों की लिस्ट की एक अन्य अनियमितता गुजरात, आंध्र प्रदेश, बिहार, उत्तराखंड, तेलंगाना और पश्चिम बंगाल से मिली है यहां आयकर दाता लाभार्थी किसानों की संख्या पात्र किसानों की संख्या से अधिक है।

योजना में स्पष्ट कहा गया है कि वे परिवार अपात्र हैं जिनके परिवार के सदस्य वर्तमान में किसी संवैधानिक पद पर हो या रहे हो, केंद्र व राज्य सरकार के वर्तमान या भूतपूर्व मंत्री, संसद के वर्तमान या पूर्व सदस्य, विधानसभा या विधानपरिषद के पूर्व या वर्तमान सदस्य, नगर निगम के वर्तमान या भूतपूर्व मेयर, जिला पंचायत; केंद्र व राज्य सरकार के सभी सेवारत या सेवानिवृत अधिकारी व कर्मचारी केंद्र व राज्य सरकार की सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों के या सरकार की स्वायत्तशासी संस्थाओं के कर्मचारी, स्थानीय निकायों के कर्मचारी, इसमें चतुर्थ श्रेणी के और ग्रुप डी के कर्मचारी शामिल नहीं हैं; दस हजार रू. या उससे अधिक की पैशन पाने वाले, इसमें चतुर्थ श्रेणी व ग्रुप डी के कर्मचारी शामिल नहीं है; वे सभी व्यक्ति जिन्होंने गत वित्त वर्ष में आयकर अदा किया है; डॉक्टर, इंजीनियर, चार्टर्ड एकाउण्टैंट, आर्किटैक्ट, जो प्रोफेशनल संस्थाओं द्वारा अधिसूचित है और काम कर रहे हैं; अपात्र हैं।

'आपने सशस्त्र बलों की पैंशन बढ़ोतरी के मामले में सिर्फ ''गुलाबी तस्वीर'' पेश की'

नई दिल्ली, 16 फरवरी। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि वन रैंक वन पैंशन (ओ.आर.ओ.पी.) यानी की समान पद समान पैंशन नीति का केंद्र द्वारा बढ़ा-चढ़ा कर बखान किया गया और सशस्त्र बलों के पेंशन भोगियों को वास्तव में दिये गये लाभ की तुलना में कहीं अधिक ''गुलाबी तस्वीर'' पेश की गई है। न्यायालय ने केंद्र से यह बताने को कहा है कि सशस्त्र बलों में कितने कर्मियों को 'फोडीफाइड एश्योर्ड करियर प्रोगेशन (एम.ए.सी.पी.) मिला है, कितने कर्मी एश्योर्ड करियर प्रोगरेशन (ए.सी.पी.) में हैं और यदि न्यायालय ओ.आर.ओ.पी. में एम.ए.सी.पी. को भी शामिल करने को कहे तो वित्तीय आवंटन कितना होगा।

न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचुड़, न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति विक्रम नाथ की पीठ ने केंद्र की ओर से पेश हुए अतिरिक्त सॉलिसीटर जनरल एन. वेंकटरमण से कुछ सवाल किये। पीठ ने जानना चाहा कि क्या 17 फरवरी 2014 को संसद में किये गये वादे से पहले ऐसी कोई नीति थी कि सरकार ओ.आर.ओ.पी. प्रदान करने के लिए

- **सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि, सशस्त्र बलों को पैंशन वृद्धि का उतना लाभ नहीं मिला, जितना सरकार ने बहुत बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया**
- **सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को सशस्त्र बलों के लिए 'वन रैंक वन पैंशन' मामले में सुनवाई करते हुये केन्द्र सरकार के खिलाफ कड़ी नाराजगी जाहिर की।**
- **सुप्रीम कोर्ट इस मामले में अगली सुनवाई 23 फरवरी को करेगा।**

है। आपके (केंद्र के) द्वारा ओ.आर.ओ.पी. नीति का बढ़ा-चढ़ा कर बखान सैद्धांतिक रूप से राजी है। न्यायालय ने कहा, ''हमे इस तथ्य पर गौर करना होगा कि ओ.आर.ओ.पी. की कोई सांविधिक परिभाषा नहीं है।

यह एक नीतिगत फैसला है। उनकी (याचिकाकर्ताओं की) यह दलील है कि संसद में जो कुछ कहा गया था और नीति के बीच विसंगति है। सवाल यह है कि क्या यह अनुच्छेद 14 का हनन करता किये जाने ने, याचिकाकर्ताओं को वास्तव में मिले लाभ की तुलना में कहीं अधिक गुलाबी तस्वीर पेश की है।''

शादी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

थी जब उसकी सास की मृत्यु हो गई थी पर तब भी वह वहां एक ही दिन रही थी।

दुर्लभजी अस्पताल की प्रमुख सुमेधा दुर्लभजी का निधन

2003 में ढाई करोड़ के लिए हुआ था अपहरण

- प्रकाश भण्डारी -

जयपुर, 16 फरवरी। गुलाबी शहर के रत्न व्यवसाय से जुड़े प्रतिष्ठित दुर्लभजी परिवार की बहू तथा सन्तोकबा दुर्लभजी मेमोरियल अस्पताल (एस.डी.एम. एच.) की संचालक संस्था है, की चेयरपर्सन सुमेधा दुर्लभजी का आज यहां 81 वर्ष की अवस्था में निधन हो गया। वह अपने पीछे पुत्र मेहुल और पुत्री टीना बाफना के साथ भरा-पूरा परिवार छोड़ गईं।

रश्मिकांत दुर्लभजी की पत्नी और पद्मश्री खेलशंकर दुर्लभजी की पुत्रवधू सुमेधा जी के निधन से शहर के रत्न व्यापार और संतोकबा दुर्लभजी अस्पताल में शोक छा गया। सुमेधाजी खेलशंकर दुर्लभ जी आवेदना आश्रम की भी चेयरपर्सन थी। आवेदना आश्रम वृद्ध, असहाय बेसहारा, निर्धन और दुर्बल लोगों की आश्रय स्थली है, जहाँ उन्हें पूरे सम्मान के साथ रखा जाता है।

आवेदना आश्रम जयपुर शहर की प्रतिष्ठित संस्था है जिसकी स्थापना रश्मिकांत दुर्लभजी ने मानव कल्याण के लिए की थी और उनके बाद सुमेधाजी ने उसे पूरी तन्मयता से विकसित किया और संभाला। अपने पति की मृत्यु के पश्चात आवेदना आश्रम का सारा खर्च सुमेधा जी सहर्ष उठा रही थीं। उनके निधन से आवेदना आश्रम को अपूरणीय क्षति हुई है।

सुमेधा दुर्लभजी सरल, शांत और करुणामयी महिला के रूप में जानी जाती थीं और वह बेहद सादगी का जीवन जी रही सुमेधा जी अपना अधिकांश समय अस्पताल और आश्रम को देती थीं।

सुमेधा दुर्लभजी का 6 फरवरी 2003 को बिहार के युवकों ने उस समय अपहरण कर लिया था जब वह राजस्थान विश्वविद्यालय के खुले क्षेत्र में प्रात: टहलने के लिए गई थीं।

पूरे विश्व में ''एमरल्ड किंग'' के नाम से जाने वाले दुर्लभजी परिवार की इस बहू का सात लोगों ने अपहरण किया और उनके पति स्वर्गीय रश्मिकांत से ढाई करोड़ की फिरौती मांगी।

अपहरण में लिप्त लोग सुमेधा को दिल्ली के नम्बर वाली मारूति एस्टीम कार में जबर्दस्ती धकेल कर दिल्ली ले गए। अपहरणकर्ताओं का प्रमुख बिहार का अजय कुमार सिंह था जिसने 1991 में छतरा से लोकसभा चुनाव भी लड़ा था पर 12 हजार मतों से हार गया था। माना जाता था कि वह स्वर्गीय प्रधानमंत्री चन्द्रशेखर के करीबी था। राजनीति में असफल होने के बाद वह अपराध जगत में लिप्त हो गया और अपना गैंग बनाकर अपराध करने लगा था। इसी अपराध के क्रम में जयपुर आकर अपने साथियों राजीव रंजन, अभय सिंह, अनिल कुमार, प्रमोद प्रताप, राजू कुमार सिंह और उमेश कुमार के साथ मिलकर सुमेधा का अपहरण किया। अपहरण के दिन केवल चार लोग ही शामिल थे और बंदूक की नोक पर अकेले टहल रही सुमेधा को जबर्दस्ती कार से दिल्ली ले गए। इस अपहरण में काम ली गई एक कार वे बनीपार्क में एक स्थान पर छोड़ गए। सुमेधा को फरीदाबाद के 19 सैक्टर के एक मकान में पहले रखा गया।

सुमेधा दुर्लभजी

इस पूरे मामले में दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान और बिहार की पुलिस तत्पर होकर जाँच में जुट गई। जाँच दल का नेतृत्व भारतीय पुलिस सेवा के अजित सिंह शेखावत कर रहे थे। अपहरण के बाद दो दिनों तक सुमेधा ने कुछ भी नहीं खाया था और वह डरी और सहमी हुई थी। अपहरणकर्ता विभिन्न नम्बरों से दुर्लभजी परिवार से सम्पर्क कर फिरौती मांग रहे थे। एक छोटे से कमरे में जिसमें हवा और पानी की सुविधा नहीं थी में एक पखवाड़े तक सुमेधा जी को बंधक बनाए रखा गया। वह केवल फल और फलों का रस तथा कॉफी आदि पर आश्रित थी। उन्हें समाचार पत्र आदि नहीं दिए जाते थे। हालांकि टी.वी. की सुविधा थी। इन्हें बसंत कुंज के फ्लैट में भी रखा गया था। राजस्थान और विशेषकर दिल्ली पुलिस ने गहन अभियान चलाकर जिसका नेतृत्व ए.सी.पी. रविशंकर कर रहे थे। मोबाइल फोन की लोकेशन को तलाशते हुए वह स्थान ढूंढ निकाला जहां सुमेधा जी को रखा गया था। अचानक छापा मारकर पुलिस ने उस घर में प्रवेश किया और वहां पहरा दे रहे तीन लोगों को दबोच कर पूरे 21 दिन बाद सुमेधा को आज़ाद कराया। जयपुर के एक न्यायालय ने इस अपहरण के लिए सात लोगों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई और चार लोगों को अपराध में सीधे लिप्त नहीं पाया।

सभी अपराधी जयपुर सैन्ट्रल जेल में सजा काट रहे हैं।

मार्डन मीडिया, बीकानेर के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 35214/79, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय:-राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908

Skilling You

SKILLING YOU

जिंदगी जिंदाबाद !

हर रोज़ - मोटिवेशन का डोज़

MR. AMAR CHAUDHARY
MotivACtional Speaker

TIME- 8:45 AM - 9:00 AM

बिल्कुल फ्री

ONLY ON SKILLING YOU APP

एप डाउनलोड करने के लिए 971-777-9377 पर मिस्ड कॉल करें
या अभी डाउनलोड करें SKILLING YOU एप GET IT ON Google Play से

WWW.SKILLINGYOU.COM

*conditions apply